आज का सुविचार

समय हाँथ से निकल जाने के बाद केवल पश्चाताप ही हाँथ लगता है।
- स्वेट मार्टिन

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-22 भोपाल, शुक्रवार 03 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष
चतुर्थी, शुक्रवार 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:42/5:38
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	22 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट ITDC

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,560

ITDC

शेयर सूचकांक

बीएसई	58461.29	+776.50
निफ्टी	17401.65	+234.75

सपा की सरकार बनी तो खाद के लिए लाइन में नहीं लगना पड़ेगा : अखिलेश

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज ललितपुर में किसानों के मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा कि आज किसान के सामने संकट है। किसान के खेत में पानी नहीं है, दो फसल नहीं पैदा कर पा रहा है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी तो हम इंतजाम करेंगे कि कैसे किसान खेतों में दो फसलें पैदा करे। खाद के लिए भी किसानों को लाइन में नहीं लगना पड़ेगा।

गिर-सोमनाथ के पास समुद्र में 12 नावें डूबीं, 11 मछुआरे लापता

नई दिल्ली। दक्षिण गुजरात में बुधवार को अचानक बदले मौसम ने कहर बरपा दिया। कई शहरों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वहीं, गिर-सोमनाथ के पास अरब सागर में इतनी तेज हवाएं उठीं कि मछुआरों की 12 नावें डूब गईं। इन बोटों पर करीब 23 मछुआरे सवार थे, जिनमें से 11 अब भी लापता हैं।

मछुआरों की तलाश के लिए नेवी की मदद ली गई है। वहीं, सेना के दो हेलीकॉप्टर भी लगाए गए हैं।

मध्यप्रदेश में 16-17 दिसंबर को बैंक हड़ताल

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब 40 हजार बैंककर्मी 16 और 17 दिसंबर को हड़ताल पर रहेंगे। इससे प्रदेश की 7 हजार ब्रांचों में दो दिन तक ताले लटके रहेंगे। भोपाल में 300 ब्रांच हैं। 5 हजार बैंककर्मी इस हड़ताल में शामिल रहेंगे। वे बैंकों के निजीकरण को लेकर किए जा रहे प्रयासों का विरोध जताएंगे।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान

सरकारी कामकाज में नहीं होगा उर्दू, फारसी का इस्तेमाल!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का बड़ा बयान सामने आया है. दरअसल गृह मंत्री ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर एमपी में भी पुलिस विभाग की कार्रवाई में इस्तेमाल होने वाले उर्दू फारसी के शब्द बदले जाएंगे. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जो शब्द प्रचलन में नहीं हैं या जिन की उपयोगिता नहीं है जैसे रिफ्यूजी जैसे शब्दों को बदला जाएगा. बता दें कि पुलिस विभाग में उर्दू शब्दों का इस्तेमाल काफी किया जाता है. एफआईआर में राज़ीनामा, तहरीर, अदम तामील, मुजरिम, गुफ्तगू, संगीन अपराध, जेर-ए-तफ्तीश, रूबरू, इश्तेहार, जाहिर आदि शब्दों प्रयोग में लाए जाते हैं. यूपी में भी पुलिस के कामकाज में उर्दू, फारसी शब्दों के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है. अब मध्य प्रदेश सरकार भी ऐसा करने जा रही है. दिल्ली हाईकोर्ट में भी इसे लेकर याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें हाईकोर्ट ने पुलिस को ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने को कहा था, जो लोगों को आसानी से समझ आएं।

ममता बनर्जी पर भड़के नरोत्तम मिश्रा

नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से बात करते हुए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा. दरअसल एक कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने पहले बैठे हुए राष्ट्रगान की शुरुआत की और फिर उसे अधूरा ही छोड़ दिया. इसे लेकर ममता बनर्जी पर राष्ट्रगान के अपमान के आरोप लग रहे हैं. जब इस बारे में नरोत्तम मिश्रा से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने पूरे देश और राष्ट्रगान लिखने वाले रविंद्रनाथ टैगोर का भी अपमान किया है. विपक्षी नेताओं के मंदिर जाने पर तंज कसते हुए नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि ममता दीदी सिद्धि विनायक जा रही हैं, कमलनाथ जी हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं. केजरीवाल जी तीर्थ यात्रा करवा रहे हैं. राहुल जी कश्मीरी पंडित बन रहे हैं. देश को और कितने अच्छे दिन चाहिए?

सांसदों के निलंबन पर राज्यसभा में हंगामा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

संसद के विंटर सेशन के चौथे दिन की शुरुआत भी हंगामेदार हुई। राज्यसभा के 12 सांसदों के निलंबन को लेकर विपक्षी नेताओं ने राज्यसभा में हंगामा शुरू कर दिया। ये लोग निलंबन वापस लेने की मांग कर रहे हैं। विपक्ष के शोर-शराबे के चलते राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। 12 बजे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने सांसदों के निलंबन को आज फिर सही ठहराया। उन्होंने कहा कि सदन का कार्यवाही चलने दी जाए, निलंबन कोई पहली बार नहीं हुआ है। नायडू ने साफ कर दिया कि निलंबित सांसदों के माफी मांगे बिना निलंबन रद्द करने पर विचार भी नहीं किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने 12 राज्यसभा सांसदों के निलंबन सहित विभिन्न मुद्दों पर राज्यसभा से वॉकआउट किया। वहीं, कांग्रेस, NCP, RJD, TRS और IUML ने महंगाई के मुद्दे पर राज्यसभा से वॉकआउट किया।

किसानों की मौत और बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में नारेबाजी की।

लोकसभा में आज कोरोना की स्थिति पर चर्चा

लोकसभा में कोरोना के मामले पर चर्चा हुई। यह चर्चा नियम 193 के तहत हुई। शिवेसना सांसद विनायक राउत ने लोकसभा में कोरोना पर चर्चा की शुरुआत की। राउत ने PM केयर्स के तहत मिले वेंटिलेटर्स की क्विलिटी पर सवाल खड़े किए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया देश में महामारी की स्थिति और नए वैरिएंट ओमिक्रॉन से निपटने को उठाए गए कदमों की जानकारी देंगे। स्वास्थ्य मंत्री आज लोकसभा में नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फॉर्मास्?यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (अमेंडमेंट) बिल, 2021 भी पेश करेंगे।

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड को लेकर जितेंद्र सिंह का बयान

राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड के तहत हुई नियुक्तियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्स्ष्ट, क्स्ष्ट और रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड के माध्यम से 2007-14 तक 6,19,027 नियुक्तियां हुईं। पिछले 7 साल में 6,98,011 नियुक्तियां हुईं। 2014 में सरकार बनी तो केंद्रीय पदों की स्वीकृत क्षमता 36,45,584 थी। अब ये आंकड़ा बढ़कर 40,04,941 हो गया है।

प्रदर्शनकारी सांसदों के साथ राहुल गांधी

राज्यसभा के 12 सदस्यों के निलंबन के विरोध में विपक्षी नेताओं ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान वो काली पट्टी बांधे हुए नजर आए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने विपक्ष के प्रदर्शन को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गांधी जी की प्रतिमा के नीचे अगर वे धरना दे रहे हैं तो कुछ सद्बुद्धि आ सकती है। आपको संसद की चर्चा, बहस और फैसलों में भागेदारी करनी चाहिए। यही लोकतांत्रिक मर्यादा है।

तमिलनाडु में बाढ़ को लेकर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव

मौजूदा सत्र की रणनीति पर चर्चा करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी संसद में टॉप मंत्रियों के साथ बैठक की। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया जिसमें तमिलनाडु में भारी बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान पर चर्चा की मांग की गई है। साथ ही बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 4,626 करोड़ रुपए के बाढ़ राहत पैकेज की घोषणा करने का निर्देश देने की मांग भी रखी गई है।

जाति आधारित जनगणना मामले पर शून्यकाल नोटिस

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और उच्च मुद्रास्फीति के चलते देश में आम लोगों पर भारी आर्थिक बोझ पर सदन में चर्चा के लिए नियम 267 के तहत कार्य निलंबन नोटिस दिया। वहीं, राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने जाति आधारित जनगणना मामले पर शून्यकाल

प्रशांत किशोर ने ममता की लाइन को आगे बढ़ाया, कहा-

कांग्रेस को हमेशा विपक्ष की अगुआई का वरदान नहीं मिला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक बार फिर से कांग्रेस को निशाने पर लिया है। किशोर ने विपक्ष की कमान को लेकर कांग्रेस लीडरशिप पर सवाल उठाया है। किशोर ने कहा- जो पार्टी पिछले 10 साल में 90 फीसदी चुनाव हारी है, उसका विपक्ष के नेतृत्व पर कोई दैवीय अधिकार नहीं हो सकता। प्रशांत किशोर ने गुरुवार को एक ट्वीट में लिखा, कांग्रेस जिस आइडिया और स्पेस का प्रतिनिधित्व करती है, वह एक मजबूत विपक्ष के लिए काफी अहम है, लेकिन विपक्ष के नेतृत्व का फैसला लोकतांत्रिक तरीके से होने दें।

ममता को विपक्ष का नेता प्रोजेक्ट करने की रणनीति

पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर ने ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन मैनेज किया था। इस चुनाव में ममता की जीत हुई थी। जीत के बाद ष्टरू ममता दिल्ली और मुंबई का दौरा कर पार्टी के विस्तार में लगी हैं। पॉलिटिकल कमेंटेटर्स का कहना है कि ममता बनर्जी को विपक्ष की नेता के तौर पर प्रोजेक्ट करने लिए प्रशांत किशोर काम कर रहे हैं। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दो दिन के मुंबई दौरे पर थीं। दो दिनों के दौरान उन्होंने शिवसेना और एनसीपी के नेताओं से मुलाकात की है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी चीफ शरद पवार से मिलने के बाद ममता ने बुधवार को एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि अब क्क (कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन) का कोई अस्तित्व नहीं है।

शरद पवार और ममता के बीच बुधवार को तकरीबन एक घंटे तक बातचीत हुई थी। इसके बाद ममता मीडिया के सामने आईं और राहुल गांधी पर दो टूक अंदाज में तंज कसा। उन्होंने राहुल का नाम लिए बिना कहा कि अगर कोई कुछ करता नहीं है, विदेश में रहता है तो कैसे चलेगा। इसीलिए हमें कई दूसरे राज्यों में जाना पड़ा है।

कटरीना की शादी में सलमान को न्योता नही शादी के दौरान शूटिंग के लिए रियाद में रहेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

कटरीना कैफ को बॉलीवुड में स्थापित करने वाले सलमान खान उनकी शादी में ही नहीं जाएंगे। यह खबर सलमान की बहन अर्पिता ने कन्फर्म की है। अर्पिता ने एक इंटरव्यू में कहा है कि कटरीना ने खान फैमिली को शादी में न्योता ही नहीं दिया है। सलमान 10 दिसंबर को रियाद में दबंग टूर में शामिल हो रहे हैं।

हमें शादी के लिए कोई इंविटेशन नहीं मिला-अर्पिता: जब अर्पिता से शादी के इंविटेशन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। अर्पिता ने कहा, हमें शादी के लिए अब तक कोई इंविटेशन नहीं मिला है। इससे पहले खबरें आईं थीं कि कटरीना की शादी के लिए सलमान, उनकी बहनों और फैमिली को ऑफिशियल इनवाइट भेजे जा चुके हैं। सलमान की बहनें अर्पिता खान शर्मा और अलवीरा खान अग्निहोत्री शादी में शामिल होंगी। कुछ हफ्ते पहले ऐसी खबरें भी थीं कि सलमान इस शादी में शामिल होंगे। पर फिर कहा जाने लगा कि सलमान का शेड्यूल एकदम बिजी है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

We Are One- Veer

ब्रिटेन सरकार ने दिया कोरोना वैक्सीन की 11.4 करोड़ डोज का ऑर्डर, दो साल में बढ़ाएगी वैक्सीनेशन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे के बीच ब्रिटेन सरकार ने फाइजर-बायोएनटेक और मॉर्डना से 11.4 करोड़ वैक्सीन डोज खरीदने का ऐलान किया है। अगले दो साल में सरकार वैक्सीनेशन ड्राइव को बढ़ाने पर जोर दे रही है। सरकार ने मॉर्डना वैक्सीन के 6 करोड़ डोज और फाइजर-बायोएनटेक के 5.4 करोड़ शॉट ऑर्डर किए हैं। ब्रिटेन ने अगले दो महीने में 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को तीसरी डोज देने का टार्गेट रखा है।

द. अफ्रीका में कोरोना की रफ्तार दोगुनी हुई

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए मामले एक दिन में दोगुने हो गए हैं। बुधवार शाम यहां के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिसीसेज ने बताया कि पिछले 24 घंटे में वहां 8,561 मामले दर्ज किए गए, जबकि उससे 24 घंटे पहले सिर्फ 4,373 मामले सामने आए थे। इसके बाद सरकार पर दबाव बढ़ गया है कि वह बिना वैक्सीन वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाए, ताकि एक तय संख्या से ज्यादा अनवैक्सीनेटिड लोग एक जगह जमा न हो पाएं। वहीं, दक्षिण अफ्रीकी साइंटिस्ट्स ने चेताया है कि अभी से यह मान लेना जल्दबाजी होगा कि ओमिक्रॉन हल्की बीमारी देगा। साइंटिस्ट्स ने कहा कि फिलहाल ओमिक्रॉन के असली प्रभाव की सही जानकारी देना मुश्किल है। अभी ज्यादातर युवा आबादी इससे संक्रमित हो रही है, जो वायरस से लड़ने में सक्षम हैं। ऐसे में यह बड़े लोगों, बच्चों और बीमार लोगों पर क्या असर डालेगा इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है

अफ्रीका से पहले लंदन में ओमिक्रॉन मिलने का दावा

दुनिया में कोरोना के नए वैरिएंट से हलचल मची हुई है। अफ्रीका में ओमिक्रॉन की पुष्टि के बाद इसे अफ्रीकी वायरस या बोत्सवाना वैरिएंट कहा जाने लगा था। लेकिन अब जानकारी सामने आ रही है कि दक्षिण अफ्रीकी डॉक्टरों की तरफ से इस नए वैरिएंट की पहचान किए जाने से पहले ही लंदन में यह वायरस मौजूद था।

UN प्रमुख ने कहा- ट्रैवल बैन से कोरोना नहीं रुकने वाला

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटरेस ने दुनियाभर में लागू किए जा रहे ट्रैवल बैन को गलत और अप्रभावी बताया है। उन्होंने कहा है कि नया कोरोना वैरिएंट सामने आने पर कुछ देशों और क्षेत्रों को टार्गेट किया जा रहा है। यात्रियों के लिए टेस्टिंग की सुविधा बढ़ाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा वायरस जिसकी कोई सीमा नहीं है, उसे आप यात्रा प्रतिबंधों से नहीं रोक सकते। अफ्रीका में पिछले हफ्ते ओमिक्रॉन का वैरिएंट रिपोर्ट किया गया थाा, जिसके बाद एक दर्जन से ज्यादा देशों ने दक्षिण अफ्रीकी देशों पर ट्रैवल बैन लगा दिया है।

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

बंगला बेचना है E-8 बावडियाकला प्राइम लोकेशन नियम महेन्द्रा पेट्रोलपम्प, 1 होल 5 बेडरूम 5 बाथरूम 1000 प्लाट पर, कार्नर, एमपल हाइट्स लगा, 9893128244, 9893847026

बेचना बिला 3BHK प्लाट साईंज 1500 वर्गफीट पर डेम एवं रिवर व्युके साथ कवर्ड केम्पस में कोलार रोड़ बीमाकुंज के पास संपर्क 9754330676, 9111013116

चाहिए 1200 से 1500 स्व्वायर फीट ग्राउंड फ्लोर शाहपुरा, न्यूमार्केट, अरेरा कोलनी, में हार्टथेरोपी सेण्टर हेतु सेव्यं ट्रीटमेंट – 7723911555, 9977310314

For sale 1200/2100/ 2500 Sqft Commerical Plots on 200ft Rode $ 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall Hosangabad Rode.Chugh Syndicate Property Pvt.Ltd, 32 Zone-1, MP Nagar – 7000122016, 9425666664.

मिनाल रेसीडेंसी (अयोध्या वायपास रोड़/जेकेरोड़े के आस पास की कोलोनी/केम्पस) एबम साकेत/शक्ति /विद्या नगर में प्लाट/माकन खरीदने –बेचना/रेंटल सेवाए हेतु – प्रापर्टीएको 9826098008

होसंगाबाद रोड़ पर –फ्लेट्स , डुप्लेक्स, प्लेट्स, आवासिये भूमि, कर्मशिय-शोरूम, होटल, होस्टल, हॉस्पिटल, फेक्ट्री प्लाट खरीदने के लिए 11 से 8 तक संपर्क 7000496611, 8889944883

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 KM दुरी 8889911680, 7611127324, 7611106304

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact@8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

4BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar 8889996171

ITDC आवश्यकता

Required Graduate CSA, Freshers can Apply, Salary 8000/10000/- for Full-time (8-hrs).We Win Ltd.(Surevin) Plot.No.-40, Mandakini housing society, Behind Reliance Fresh, Kolar rode.-9977224829, 7987069462, 8964020001.

आवश्यकता – सेल्स ऑफिसर जिसे FMCG, पेंट (हार्डवेयर), मोबाइल एसेसरीज आदि के विक्रय कार्य अनुभब हो संपर्क प्रदीप गुप्ता –जेपी हाइट्स बिल्डिंग,प्रभाब पेट्रोलपम्प 8085105495, pradeepenter prisesbhopal@gmail.com

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता नेपाली घरेलु कुक/शेफ 24 घंटे कार्य हेतु भारतीय, दक्षिण भारतीय और पश्चिम भारतीय पकाने का अनुभब/ज्ञान आवश्यकता खाने/रहने की ब्यबस्था वेतन योग्यतानुसार 30,000 तक सम्पर्क: 9713066869. वर्कर चाहिए –

ओबेदुल्लागंज से 8 कि.मी. दूर गाव केसलवादा में गिर गोशाला में कम हेतु फुल टाइम वर्कर कि आवश्यकता हे 9826334594, 8319263218

ट्रांसपोर्ट कम्पनी पर बुकिंग / marketing हेतु अनुभाबी लडको की आवश्यकता , जिन्होंने ट्रांसपोर्ट पर कम किया हो, न्यू महावीर ट्रांसपोर्ट कम्पनी जेकेरोड़े वरेण्यम मोटर्स के पीछे 98260843384, 9827221021

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile-9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

खबर, केवल खबर होती है

आपका अखबार है

सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,

ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

खबर की खबर

जातिवाद कैसे खत्म करें?

सर्वोच्च न्यायालय ने इधर जातीय भेदभाव के आधार पर होनेवाली हिंसा के बारे में कुछ बुनियादें बातें कह डाली हैं। जजों ने 1991 में तीन लोगों के हत्यारों की सजा पर मुहर लगाते हुए पूछा है कि इतने कानूनों के बावजूद देश में से जातीय घृणा का उन्मूलन क्यों नहीं हो रहा है? अदालत की अपनी सीमाएं हैं। वह सिर्फ कानून लागू करवा सकती है। वह खुद कोई कानून बना नहीं सकती। वह कोई समाजसेवी संस्था भी नहीं है कि वह जातिवाद के विरुद्ध कोई अभियान चला सके। यह काम हमारी संसद और हमारे नेताओं को करना चाहिए लेकिन वे तो बेचारे दया के पात्र बने रहते हैं। उनका मुख्य काम है-वोट और नोट का कटोरा फैलाये रखना। उनमें इतना नैतिक बल कहां है कि उनके अनुरोध पर लोग अपने जातिवाद से मुक्त हो जाएं? उनकी दुकान चल ही रही है जातिवाद के दम पर! डा॰. लोहिया ने जात-तोड़ो आंदोलन चलाया था लेकिन उनकी माला जपने वाले नेता ही आज जातिवाद के दम पर थिरक रहे हैं।

जातीय जन-गणना के शव को दफनाए हुए 90 साल हो गए लेकिन वे अब उसे फिर से जिंदा करने की मांग कर रहे हैं। 'मेरी जाति हिंदुस्तानी' आंदोलन की वजह से मनमोहन सिंह सरकार ने जातीय-गणना बीच में ही रुकवा दी थी लेकिन भारत में जातिवाद को जिंदा रखनेवाले 'जातीय आरक्षण' को खत्म करने की आवाज आज कोई भी दल या नेता नहीं लगा रहा है। इस देश में सरकारी नौकरी और शिक्षा में जब तक जातीय आधार पर भीख बांटी जाएगी, जातिवाद का विष-वृक्ष हरा ही रहेगा। मुट्ठीभर अनुसूचितों और पिछड़ों के मुंह में चूसनी लटकाकर देश के करोड़ों वंचितों और गरीबों को सड़ते रहने के लिए हम मजबूर करते रहेंगे।

इस समय देश में जातिवाद के विरुद्ध जबर्दस्त सामाजिक अभियान की जरूरत है। सबसे पहले जातिगत आरक्षण खत्म किया जाए। दूसरा, जातिगत उपनाम हटाए जाएं। तीसरा, किसी भी संस्था और संगठन जैसे अस्पताल, स्कूल, धर्मशाला, शहर या मोहल्ले आदि के नाम जातियों के आधार पर न रखे जाएं। चौथा, अंतरजातीय विवाहों को प्रोत्साहित किया जाए। पांचवां, आम चुनावों में किसी खास चुनाव-क्षेत्र से किसी खास उम्मीदवार को खड़ा करने की बजाय पार्टियां अपनी सामूहिक सूचियां जारी करें और अपने जीते हुए उम्मीदवारों को बाद में अलग-अलग चुनाव-क्षेत्र की जिम्मेदारी दे दें। इससे चुनावों में चलनेवाला जातिवाद अपने आप खत्म हो जाएगा। मतदाता अपना वोट देते समय उम्मीदवार की जाति नहीं, पार्टी की विचारधारा और नीति को महत्व देंगे। इसके कारण हमारे लोकतंत्र की गुणवत्ता तो बढ़ेगी ही, जातीय आधार पर थोक वोट कबाड़ने वाले अपराधियों, ठगों, अकर्मण्य और आलसी लोगों से भारतीय राजनीति का कुछ न कुछ छुटकारा होगा।हा, जैसा आज है। कोरोना संकट में हमने न सिर्फ वेक्सीन बनाई, बल्कि उसे दुनिया के 40 देशों को भी दिया।

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

न्यूज ब्रीफ

भारत में सड़क लॉजिस्टिक बाजार 2025 तक 330 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगाः रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में सड़क लॉजिस्टिक बाजार अगले पांच वर्षों में आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 2025 तक 330 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। कंसल्टिंग फर्म रेडसीर की शुरुआती चरण की शोध शाखा, रेडकोर द्वारा बृहस्पतिवार को जारी %इंटर-सिटी लॉजिस्टिक्स मार्केट स्टडी% के अनुसार, यह वृद्धि तेजी से बढ़ते ई-कॉमर्स क्षेत्र और बढ़ते खुदरा बिक्री बाजार जैसे कारकों से प्रेरित होगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सड़क लॉजिस्टिक बाजार अगले पांच वर्षों में आठ प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 2025 तक 330 अरब डॉलर का बाजार बन जाएगा। अध्ययन के अनुसार, भारत में इंटर-सिटी सड़क लॉजिस्टिक खर्च 2021 में 209 अरब डॉलर रहा, जो कुल सड़क लॉजिस्टिक खर्च का लगभग 87 प्रतिशत है।

ओमीक्रोन का डर, बढ़ी टीकाकरण की दर

चेन्नई। चेन्नई के निकट तिरुपोरुर की 60 वर्षीय सेल्वी ने ओमीक्रोन और इसके प्रभावों के बारे में अभी तक नहीं सुना था। उनके लिए उनका परिवार चिंतित था जिसने उन्हें यहां आने और दूसरी खुराक लेने के लिए मजबूर किया, क्योंकि वह 2 नवंबर की निर्धारित तारीख को चूक गई थीं। शहर के चेट्टीनाड सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में एक टीकाकरण केंद्र के बाहर खड़ी इस बुजुर्ग ने कहा, %मैंने सोचा था कि यह कुछ दिनों में होगा। बाढ़ ने भी मेरे टीकाकरण में देरी कर दी। अब मेरा परिवार कह रहा है कि मामले बढ़ सकते हैं।% सेल्वी टीकाकरण से हिचकिचाहट या कम रुचि रखने वाले लोगों के उन उदाहरणों में से एक हैं, जो अब देश में नजर आ रहे हैं। जहां एक ओर देश में पिछले 20 दिनों से टीकाकरण में इजाफा हो रहा है, वहीं दूसरी ओर पिछले सात दिनों में इस इजाफे ने रफ्तार पकड़ ली है। यह रफ्तार कोविड-19 के एक नए स्वरूप की घोषणा के साथ मेल खाता है, जिसे पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पहचाना गया था। करीब एक महीने पहले भारत में लगभग 60 लाख खुराक दी जा रही थीं, हालांकि बाद के सप्ताहों में दैनिक टीकाकरण की संख्या घटकर 30 लाख से कम हो गई। 8 नवंबर से दैनिक टीकाकरण में तेजी आ गई है और 1 दिसंबर को देश में दैनिक टीकाकरण का औसत 81 लाख रहा। पिछले एक सप्ताह के दौरान देश में टीकाकरण में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एक सप्ताह पहले इसमें 3.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई थी।

गोल्ड-सिल्वर अपडेट : 48 हजार के नीचे आया सोना, चांदी भी 62 हजार के करीब बिक रही

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

महीने के पहले दिन यानी आज 1 दिसंबर को सोने के दाम में गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार आज सोना 252 रुपए सस्ता होकर 47,849 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वायदा बाजार की बात करें तो यहां भी सोने में गिरावट देखी जा रही है। आज दोपहर ढाई बजे रूष्ङ्ग पर सोना 50 रुपए की गिरावट के साथ 47,755 रुपए पर ट्रेड कर रहा है।

सर्राफा बाजार में चांदी हुई महंगी

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी 163 रुपए महंगी होकर 62,218 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। हालांकि वायदा बाजार में चांदी की चमक कम हुई है। दोपहर ढाई बजे रूष्ङ्ग पर चांदी 65 रुपए की गिरावट के साथ 62,222 रुपए पर ट्रेड कर रही है। बीते महीने यानी नवंबर की बात करें तो इस महीने सोना 325 रुपए मंहगा हुआ है। 1 नवंबर को ये 47,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो 30 नवंबर को 48,101 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि चांदी के लिए नवंबर सही नहीं रहा है। इस महीने चांदी 2,141 रुपए लुढ़ककर 30 नवंबर को 62,055 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई थी।

आने वाले दिनों में बढ़ सकते हैं सोने के दाम

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि देश और दुनिया में महंगाई बढ़ रही है। इसके अलावा कई देशों में कोरोना के मामले फिर बढ़ने लगे हैं। इससे सोने को सपोर्ट मिलेगा और ये अगले एक साल में 55 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

अगर आप सोने में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश कर सकते हैं। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2021-22 के तहत 3 दिसंबर तक सोने में निवेश का मौका मिल रहा है। इस बार सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए 4,791 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है। ऑनलाइन अप्लाई करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी, आपको 10 ग्राम सोने के लिए 47,410 रुपए देने होंगे।

वॉट्सऐप से होगी उबर की बुकिंग

ड्राइवर का नाम और पिकअप की जानकारी चैट पर मिलेगी, एक SMS भेजते ही हो जाएगी बुकिंग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अब देश में उबर टैक्सी सर्विस को वॉट्सऐप के साथ भी बुक किया जा सकता है। इस सेवा की शुरुआत लखनऊ शहर से की जा रही है। इसे जल्द ही देश के दूसरे लोकेशन के लिए भी शुरू होगी। उबर कंपनी के मुताबिक वॉट्सऐप से की गई पार्टनरशिप से लोग अब वॉट्सऐप चैटबॉट पर एक SMS भेजकर उबर की बुकिंग कर पाएंगे।

अब उबर ऐप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं

उबर में बिजनेस डेवलपमेंट के सीनियर डायरेक्टर नंदिनी माहेश्वरी का कहना है कि वह सभी भारतीयों के लिए उबर से ट्रैवल करना आसान करना चाहते हैं, इसलिए हम यूजर्स को वॉट्सऐप से टैक्सी बुक करने की सुविधा दे रहे हैं। इससे यूजर्स को अब अलग से उबर ऐप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। लोग वॉट्सऐप से ही रजिस्ट्रेशन, राइड बुक करने से लेकर ट्रिप की रसीद भी पा सकेंगे।

नियम और शर्तें पहले की तरह ही रहेंगी

कंपनी का कहना है कि यूजर्स चाहे तो उबर ऐप पर राइड बुक करें या वॉट्सऐप पर, बुक की गई राइड के बीच सेफ्टी सर्विस और इंश्योरेंस सेफ्टी के नियम समान रहेंगे।

जियो मार्ट की तर्ज पर लाई गई सर्विस

यह सर्विस मुकेश अंबानी के रिलायंस डिजिटल आउटलेट जियो मार्ट की तरह ही होगी। जैसे वॉट्सऐप के जरिए आप अपने किराने का समान खरीदते हैं ठीक उसी तरह आप उबर टैक्सी भी बुक कर पाएंगे।

जानिए वॉट्सऐप से उबर कैसे बुक करें

वॉट्सऐप यूजर्स तीन तरह से उबर राइड बुक कर पाएंगे।
सबसे पहले, वे उबर के बिजनेस अकाउंट नंबर को मैसेज कर सकते हैं।
दूसरा, वे एक क्क्र कोड स्कैन कर सकते हैं।
तीन वे उबर वॉट्सऐप चैट खोलने के लिए सीधे लिंक पर क्लिक कर सकते हैं।
उबर ने अभी तक कोई वाट्सऐप नंबर जारी नहीं किया है। जो ग्राहक उबर के साथ वॉट्सऐप पर चैट शुरू करते हैं, तो उन्हें पिकअप और ड्रॉप डेस्टिनेशन की जानकारी देने के लिए कहा जाएगा। यूजर्स को वॉट्सऐप के जरिए से ही किराए के साथ ड्राइवर के आने का एक्सपेक्टेड समय का पता चल जाएगा।

वॉट्सऐप बुकिंग में ड्राइवर का नाम, लाइसेंस प्लेट और पिकअप जानकारी भी शामिल होंगी। उबर ने कहा कि वॉट्सऐप के जरिए राइड की बुकिंग अभी सिर्फ इंग्लिश भाषा में शुरू की जारी है। जल्द ही इसे दूसरी भारतीय भाषाओं में भी लाया जाएगा।

रिकॉर्ड लेवल पर व्यापार घाटा

नवंबर में व्यापार घाटा 23.27 अरब डॉलर हुआ

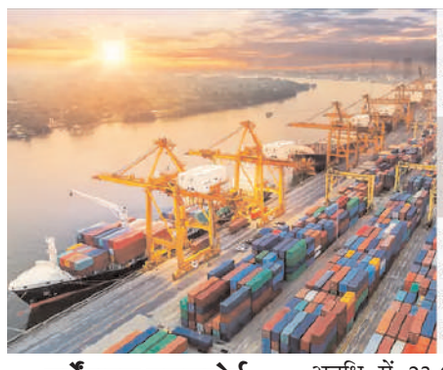

मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट बढ़कर 29.88 अरब डॉलर पर पहुंचा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कच्चे तेल और सोने के आयात में तेजी आने से नवंबर 2021 के दौरान व्यापार घाटा (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) 23.27 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले साल की समान अवधि में दर्ज 10.19 अब डॉलर से लगभग 128.30 फीसदी ज्यादा है। व्यापार घाटे का पिछला रिकॉर्ड नवंबर 2012 में 20.2 अरब डॉलर था। वहीं, नवंबर 2021 में भारत का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट साल-दर-साल 26.49 फीसदी बढ़कर 29.88 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 23.62 अरब डॉलर था। इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम, कैमिकल और मरीन प्रोडक्ट्स जैसे सेक्टर्स में हेल्दी ग्रोथ के कारण ये बढ़ोतरी हुई है। कुल निर्यात में 28.19 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाले इंजीनियरिंग गुड्स का एक्सपोर्ट सालाना आधार पर करीब 37 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर हो गया। पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का निर्यात सालाना आधार पर 145.3 फीसदी बढ़कर 3.82 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, महीने के दौरान जेम्स और ज्वैलरी का आउटबाउंड शिपमेंट 11 फीसदी घटकर 2.4 अरब डॉलर रह गया। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2021 में आयात 53.15 अरब डॉलर था। नवंबर 2020 में यह 33.81 अरब डॉलर था।

अब ज्यादा सेफ हुई ईको

मारुति की इस कार में अब डुअल एयरबैग्स भी मिलेंगे, कंपनी ने 8000 रुपए बढ़ाई कीमत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मारुति सुजुकी ने अपनी सबसे अफोर्डेबल 7-सीटर कार ईको वैन कीमत में इजाफा किया है। कंपनी ने ईको में एयरबैग लगाए हैं। जिसके बाद इसके सभी नॉन-कार्गो वैरिएंट्स के कीमत 8,000 रुपए बढ़ा दी गई है। मारुति सुजुकी ईको 3 कार्गो वैरिएंट्स के साथ चार पैसेंजर और एक एम्बुलेंस वैरिएंट में आती है। मारुति सुजुकी की इस वैन की कीमत 4.3 लाख रुपए से शुरू होकर 7.29 लाख रुपए तक जाती है। इससे पहले कंपनी ने सितंबर में सेलेरियो को छोड़कर अपनी सभी कारों की कीमतों में 1.9 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की थी।

अब ज्यादा सेफ हो गई ईको

मारुति की कार ईको पेट्रोल और CNG फ्यूल इंजन में आती है। इसमें 1196cc 5 MT G12B BS6 इंजन दिया है। पेट्रोल इंजन

में 16.11 किलोमीटर प्रति लीटर और CNG में 20.88 किलोमीटर प्रति किलोग्राम की माइलेज मिलती है। इसकी लंबाई 3.675 मीटर, चौड़ाई 1.475 मीटर और ऊंचाई 1.825 मीटर है। इसमें रिवर्स पार्किंग सेंसर, चाइल्ड लॉक फॉर डोर्स, सीट बेल्ट रिमाइंडर जैसे फीचर्स मिलते हैं। अब इस कार में सेफ्टी के लिए डुअल एयरबैग भी मिलेंगे। इसमें 5 से 7 सीटों के ऑप्शन मिलता है।

नए नियम के चलते बढ़ाई गई कीमत

सरकार ने मार्च 2021 से सभी कारों के लिए पैसेंजर साइड एयरबैग जरूरी कर दिए थे, जिसके बाद सभी नई कारों को 1 अप्रैल, 2021 से इस नियम का पालन करना था। सेल के लिए उपलब्ध मौजूदा मॉडल्स को 31 अगस्त, 2021 तक इस ऑर्डर को पूरा करना था।

मेट्रो रेल वाला छठा शहर होगा गोरखपुर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र सरकार के पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड (पीआईबी) ने गोरखपुर मेट्रोलाइट रेल परियोजना के पहले चरण को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के बाद अब जल्दी ही गोरखपुर शहर में मेट्रो परियोजना पर काम शुरू होगा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार विधानसभा चुनावों से पहले ही गोरखपुर में मेट्रो परियोजना का शिलान्यास कर सकती है। गोरखपुर मेट्रो परियोजना में कुल 27.84 किलोमीटर की लंबाई में 2 एलिवेटेड कॉरिडोर प्रस्तावित हैं। इस परियोजना की कुल लागत 4,672 करोड़ रुपये आंकी गई है और इसे साल 2024 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी सहित गोरखपुर मेट्रो परियोजना से जुड़े सभी को इस मंजूरी के लिए बधाई दी है। उत्तर प्रदेश में नोएडा , गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, आगरा के बाद गोरखपुर उत्तर प्रदेश का छठा शहर होगा जहां मेट्रो दौड़ेगी। प्रदेश के इन सभी शहरों में मेट्रो परियोजना का काम यूपी मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) के तहत किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में लखनऊ, नोएडा और गाजियाबाद में मेट्रो का संचालन हो रहा है जबकि कानपुर में मेट्रो का ट्रायल रन हो चुका है और इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका वाणिज्यिक संचालन शुरू कर सकते हैं। कानपुर महानगर में यातायात का समस्या से निपटने के लिए योगी सरकार के सत्ता संभालते ही मेट्रो परियोजना पर काम शुरू किया गया था। आगरा में इस समय मेट्रो परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। आगरा और कानपुर दोनो शहरों की मेट्रों परियोजनाओं के लिए उत्तर प्रदेश के सालाना बजट में धनराशि का आवंटन भी किया गया था।

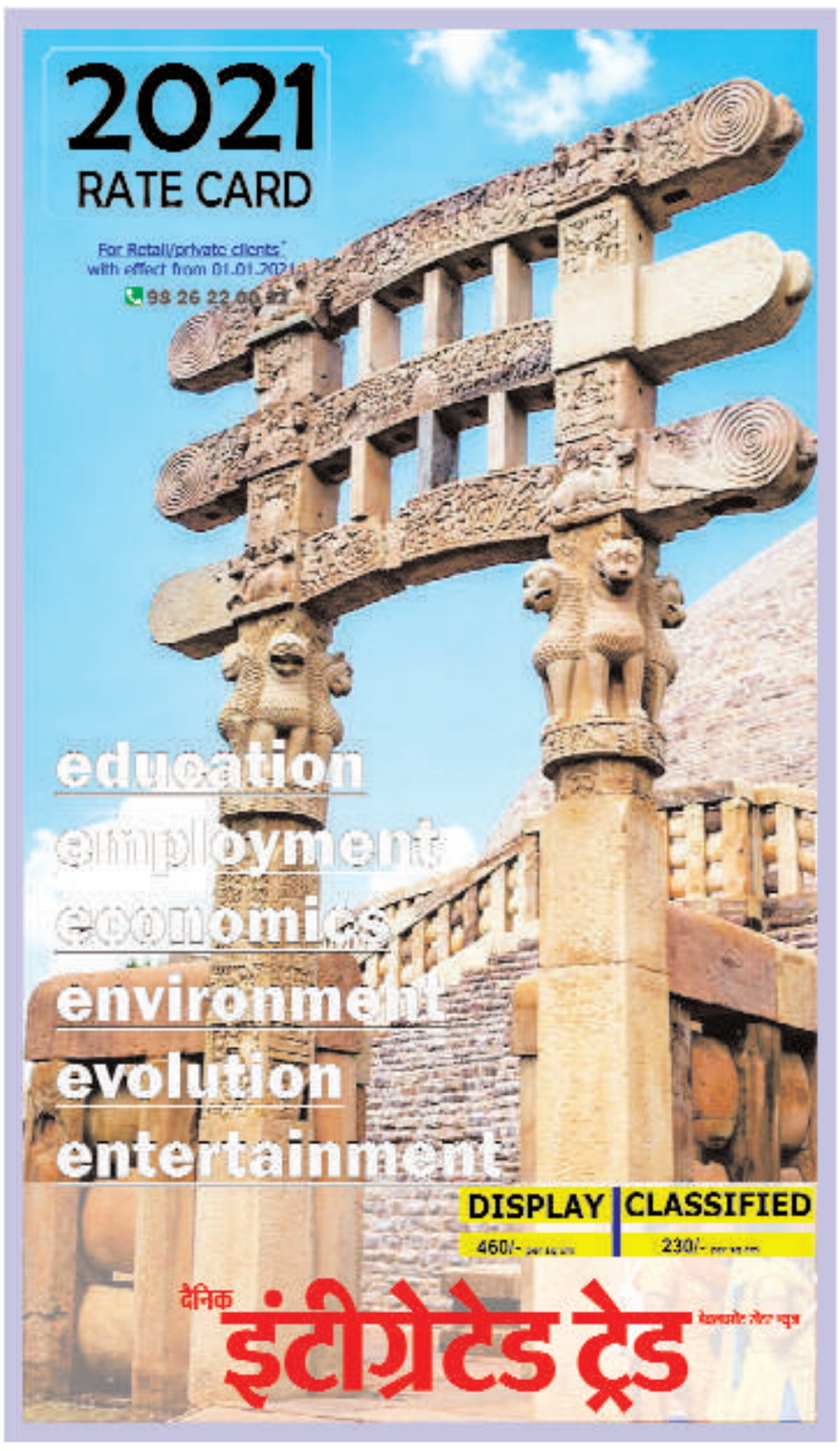

कोरोना होने पर कोरोना कवच पॉलिसी आपको दिलाएगी सही इलाज, नहीं होगी पैसों की कमी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना वायरस का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से कोरोना का खतरा फिर बढ़ने लगा है। ऐसे में अगर आप भी कोरोना के लिए हेल्थ इंश्योरेंस लेने का प्लान बना रहे हैं तो %कोरोना कवच% पॉलिसी सही रहेगी। इसमें कोरोना होने पर 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। हम आपको इस पॉलिसी के बारे में बता रहे हैं। कोरोना कवच

पॉलिसी के लिए इंश्योरेंस की राशि न्यूनतम 50 हजार रुपए और अधिकतम 5 लाख रुपए (50,000 रुपए के मल्टिपल में) है। यानी आप कम से कम 50 हजार और अधिकतम 5 लाख तक का इंश्योरेंस कवर ले सकते हैं। इंश्योरेंस की अवधि साढ़े 3, साढ़े 6 और साढ़े 9 महीने हो सकती है। इसमें कवर का प्रीमियम 500 से 6 हजार रुपए (GST शामिल नहीं) रहेगा। 18 से 65 साल तक का कोई भी व्यक्ति ये पॉलिसी ले सकता है।

अस्पताल में भर्ती होने से पहले का खर्च भी कवर होगा

इसमें बेड का चार्ज, नर्सिंग चार्ज, ब्लड टेस्ट, PPE किट, ऑक्सीजन, ICU और डॉक्टर की कंसल्टेशन फीस कवर होती है।अस्पताल में भर्ती होने से पहले डोक्टर कंसल्टेशन, चेक अप और डाइग्नोसिस के खर्च शामिल होते हैं। ऐसे खर्चों पर अस्पताल में भर्ती होने से 15 दिन पहले तक का कवर मिलता है।

कांग्रेस को किनारे करने में लगी टीएमसी

एक अर्से से कांग्रेस को चुनौती दे रहीं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी मुंबई यात्रा के दौरान राहुल गांधी के विदेश दौरों पर कटाक्ष करते हुए जिस तरह यह कहा कि अब संप्रग जैसा कुछ नहीं रह गया है, उससे यह नए सिरे से स्पष्ट हो गया कि वह खुद के नेतृत्व में भाजपा का विकल्प तैयार करने को लेकर गंभीर हैं। पता नहीं उनकी सक्रियता क्या रंग लाएगी, लेकिन इतना अवश्य है कि कांग्रेस को उनसे चिंतित होना चाहिए। अभी तक विपक्षी एकता की जो भी कोशिश होती रही है, उसमें कहीं न कहीं कांग्रेस भी शामिल रही है। खुद ममता बनर्जी भी ऐसी कोशिश का हिस्सा रही हैं, लेकिन अब वही कांग्रेस को किनारे कर रही हैं। इसका सीधा मतलब है कि वह विपक्षी एकता के मामले में कांग्रेस को अनुपयोगी और अप्रासंगिक मानकर चल रही हैं। यह सामान्य बात नहीं कि एक क्षेत्रीय दल देश के सबसे पुराने राष्ट्रीय दल की अहमियत को इस तरह खारिज करे। यदि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ऐसा कर रही हैं तो इसके लिए एक बड़ी हद तक कांग्रेस ही जिम्मेदार है। वह अपनी दयनीय दशा और बिखराव के लिए अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती।

कांग्रेस नेतृत्व ने अपनी दिशाहीन राजनीति से न केवल अपनी पार्टी को कमजोर किया है, बल्कि विपक्ष को भी नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस को पर्दे के पीछे से चला रहे राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता को लेकर उनके सहयोगी-समर्थक चाहे जो दावा करें, वह हर दृष्टि से निष्प्रभावी हैं। राजनीति में इतना लंबा समय बिताने के बाद भी वह बुनियादी राजनीतिक परिपक्वता हासिल नहीं कर सके हैं। उनके लिए राजनीति का एक ही मकसद है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कोसना। उन्होंने सस्ती नारेबाजी को ही राजनीति समझ लिया है। वह न तो कोई विमर्श खड़ा करने की कोशिश करते हैं और न ही विकल्प देने की।

कुछ इसी तरह की राजनीति प्रियंका गांधी भी कर रही हैं। भले ही कांग्रेस में राहुल और प्रियंका को करिश्माई नेता बताने वालों की कमी न हो, लेकिन सच यही है कि ये दोनों नेता अपनी तमाम सक्रियता के बावजूद कहीं कोई छाप नहीं छोड़ पा रहे हैं। वास्तव में इसीलिए कांग्रेस तेजी के साथ रसातल में जा रही है। यह कांग्रेस के लगातार कमजोर होते चले जाने का ही कारण है कि उसके नेता अन्य दलों की शरण में जा रहे हैं। यदि वरिष्ठ कांग्रेस नेता अपने दल को बचाने को लेकर गंभीर हैं तो फिर उन्हें चिट्ठी-पत्री लिखने के अलावा कुछ ठोस कदम उठाने होंगे, क्योंकि इसके कहीं कोई आसार नहीं दिखते कि सोनिया गांधी पार्टी संचालन की कामचलाऊ व्यवस्था को बदलने का कोई इरादा रखती हैं।

संपादकीय

वाजपेयी-युग के सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री की जांच

वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार, संसद में भारी जनादेश का आनंद ले रही है, मूल रूप से दो दर्जन से अधिक बड़े-टिकट वाले सार्वजनिक उपक्रमों और बैंकों को बेचने की योजना है। इनमें विशाल विजाग, दुर्गापुर और सलेम संयंत्र और नीलाचल इस्पात निगम, बड़े तेल शोधक भारत पेट्रोलियम, सबसे बड़ा समुद्री जहाज शिपिंग निगम और कंटेनर निगम सहित छह इस्पात संयंत्र शामिल हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार की सबसे बड़ी आर्थिक उपलब्धि शायद देश के कुछ सबसे प्रसिद्ध राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों की बिक्री थी। वाजपेयी ने 73 महीने और 13 दिनों की कुल अवधि के लिए भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तीन कार्यकालों की सेवा की, ज्यादातर 1998 और 2004 के बीच। अपने शासन के अंतिम पांच वर्षों में, उन्होंने राज्य के स्वामित्व वाले 10 उद्यमों को बेचा। उस समय कुछ लोगों ने सरकार पर गंभीरता से सवाल उठाया था। अब, सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में 26 प्रतिशत सरकारी हिस्सेदारी एनआरआई अनिल अग्रवाल-प्रवर्तित स्टरलाइट, जो यूके स्थित वेदांत की एक सहायक कंपनी है, को बेचने में कथित अनियमितताओं में पूर्ण सीबीआई जांच के लिए एक नियमित मामला दर्ज करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश कई सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में नरेंद्र मोदी सरकार के महत्वाकांक्षी निजीकरण कार्यक्रम के लिए खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य पर ध्यान दिया कि तत्कालीन सरकार ने इस विषय पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। उस समय, राज्य के स्वामित्व वाली अलौह धातु की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान जिंक का मूल्य 39,000 करोड़ रुपये था। कथित तौर पर, शेयरों का उचित मूल्य 1,000 रुपये प्रति शेयर से अधिक होता, हालांकि 32 रुपये 15 पैसे के आरक्षित मूल्य पर बोलियां आमंत्रित की गई थीं। ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और बीवी नागरत्ना शामिल हैं, ने 18 संदिग्ध आधारों पर सीबीआई जांच का आदेश दिया है। 26 प्रतिशत सरकारी हिस्सेदारी की बिक्री में कई अनियमितताओं के सूचीबद्ध होने के बावजूद सीबीआई की प्रारंभिक जांच का एक दोषपूर्ण समापन है। हिंदुस्तान जिंक में सरकारी बिक्री से स्टरलाइट को बहुत कम समय में अतिरिक्त शेयर हासिल करने में मदद मिली, ताकि जिंक प्रमुख में नियंत्रण हिस्सेदारी हो सके। सरकारी हिस्सेदारी खरीदने के तुरंत उसने 2002 में बाजार से एक और 20 प्रतिशत का अधिग्रहण किया। अगले ही वर्ष, उसने उद्यम को अपने रूप में चलाने के लिए एक मजबूत बहुमत शेयरधारक बनने के लिए एक और 18.9 प्रतिशत खरीदा।

2006 की अपनी रिपोर्ट में, सीएजी ने संकेत दिया कि परिसंपत्ति मूल्यांकनकर्ता और वैश्विक सलाहकार ने संपत्ति का उचित मूल्यांकन नहीं किया। पीठ ने कहा, %%पर्याप्त सामग्री है और सीबीआई को एक नियमित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया जाता है और समय-समय पर इस अदालत को अपनी जांच के लिए स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।%% अपने अंतिम निष्कर्षों के आधार पर, सीबीआई जांच वाजपेयी युग के दौरान कुछ सबसे होनहार सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, जैसे कि इंडियन पेट्रोकेमिकल्स, भारत एल्युमिनियम, जेसप एंड कंपनी में कथित रूप से कम मूल्यवान संपत्ति की बिक्री में इसी तरह की जांच की संभावना को खोल सकती है। उन इकाइयों की कमान के तहत अचल संपत्ति की संपत्ति अमूल्य थी। कुछ निजी खरीदारों ने कथित तौर पर अचल संपत्ति बेचकर बड़ी रकम अर्जित की। अब देखना यह होगा कि दिल्ली सीमा पर किसानों के धरने के विरोध में इस महीने की शुरुआत में तीन कृषि बिलों को रद्द करने के लिए मजबूर होने के बाद पहले ही हार चुकी सरकार, सुप्रीम कोर्ट के नवीनतम आदेश और देश में बदलते राजनीतिक माहौल के संदर्भ में बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और बैंकों के निजीकरण के अपने विशाल कार्यक्रम को आगे बढ़ाती है। मोदी सरकार के पास वाजपेयी सरकार की तुलना में बहुत बड़ा निजीकरण रोड मैप है।

हालांकि वाजपेयी शासन ने कम समय में लगभग एक दर्जन सार्वजनिक उपक्रमों और संयुक्त उद्यम मारुति उद्योग को बेच दिया, लेकिन वर्तमान सरकार पिछले सात वर्षों में टाटा के पक्ष में केवल एक -एयर इंडिया लिमिटेड - को बेचने में सफल हुई है। यह भी एक संकटपूर्ण बिक्री प्रतीत हुई। एयर इंडिया के लिए एकमात्र अन्य बोलीदाता स्पाइसजेट के अध्यक्ष अजय सिंह के नेतृत्व वाला एक संघ था। टाटा संस की 18,000 करोड़ रुपये की उद्यम मूल्य बोली, जिसमें केवल 2,700 करोड़ रुपये का नकद घटक था, प्रतिद्वंद्वी बोली लगाने वालों की तुलना में अधिक था। टाटा ने 140 से अधिक विमानों और विदेशी हवाई अड्डों पर 900 स्लॉट के साथ विशाल एयरलाइन का अधिग्रहण किया, जिसमें सबसे मूल्यवान लंदन का हीथ्रो भी शामिल है। वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार, संसद में भारी जनादेश का आनंद ले रही है, मूल रूप से दो दर्जन से अधिक बड़े-टिकट वाले सार्वजनिक उपक्रमों और बैंकों को बेचने की योजना है। इनमें विशाल विजाग, दुर्गापुर और सलेम संयंत्र और नीलाचल इस्पात निगम, बड़े तेल शोधक भारत पेट्रोलियम, सबसे बड़ा समुद्री जहाज शिपिंग निगम और कंटेनर निगम सहित छह इस्पात संयंत्र शामिल हैं। हालांकि, कुछ चुनिंदा कंपनियों के लिए वेदांत के एनआरआई अनिल अग्रवाल और आर्सेलर मित्तल के लक्ष्मी मित्तल को छोड़कर कुछ संभावित भारतीय खरीदार हैं। विजाग स्टील की प्रस्तावित बिक्री पहले ही कंपनी के कर्मचारियों और राज्य सरकार दोनों के निशाने पर आ गई है। राज्य के स्वामित्व वाले कुछ वाणिज्यिक बैंकों को बेचने के लिए एनडीए प्रशासन की बोली को अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के कड़े विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है।

सरकार अनजान, जनता परेशान

तीन कृषि कानूनों की वापसी का विधेयक संसद में पारित करवा कर केंद्र सरकार ने यह मान लिया था कि अब एक साल से आंदोलनरत किसान अपने घरों को लौट जाएंगे। लेकिन कानून वापसी के बावजूद किसानों की घर वापसी नहीं हुई, क्योंकि किसान एमएसपी पर गारंटी समेत कुछ और मांगें सरकार से पूरी करवाना चाहते हैं। इनमें आंदोलन के दौरान शहीद हुए किसानों को मुआवजा और उनकी याद में स्मारक बनाना, जिन किसानों पर आंदोलन के दौरान मुकदमे दर्ज हुए, उन्हें वापस लेने की मांगें भी शामिल हैं। लोकसभा में कुछ सांसदों ने आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों का डेटा सरकार से जानना चाहा, साथ ही ये पूछा कि क्या सरकार का उक्त आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिजनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का विचार है। इस पर केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को संसद में बताया है कि सरकार के पास दिल्ली की सीमाओं पर कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान मरने वाले किसानों का कोई रिकॉर्ड नहीं है। विपक्ष की ओर से मृतक किसानों के परिवारों को आर्थिक मुआवजा दिए जाने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चूंकि सरकार के पास किसानों की मौत का कोई रिकॉर्ड नहीं है, ऐसे में आर्थिक सहायता देने का सवाल ही नहीं उठता।

मानवीय स्वभाव है कि जब आप किसी के बारे में फिक्रमंद होते हैं, किसी का भला चाहते हैं तो उसका सुख, उसकी खुशी आपकी प्राथमिकता होती है। आप ये जानने की कोशिश करते हैं कि उसके जीवन में कोई मुश्किल तो नहीं है, वो अगर किसी तकलीफ से गुजर रहा है, तो उस तकलीफ को कैसे दूर किया जा सकता है, इस बारे में विचार किया जाता है। न कि ये कहा जाता है कि मैं तुम्हारा हितैषी तो हूं, लेकिन मुझे पता ही नहीं है कि तुमने कौन सी तकलीफें उठाई हैं, इसलिए मैं उन तकलीफों के लिए कुछ नहीं कर सकता। इस वक्त मोदी सरकार का किसानों के लिए रवैया कुछ इसी तरह का है।

कृषि मंत्री ने कितनी आसानी से संसद में यह जवाब दे दिया कि सरकार के पास किसानों की मौत का कोई रिकार्ड नहीं है। यानी एक साल से अधिक दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसान किस हाल में आंदोलन कर रहे थे। इस दौरान उनको किन तकलीफों से गुजरना पड़ा, इस बारे में सरकार को कुछ पता ही नहीं है। क्या सरकार का सूचनातंत्र इतना कमजोर है कि सरकार को राजधानी की सीमा पर चल रहे आंदोलन की भी पूरी जानकारी नहीं मिल सकी। इससे पहले कोरोना काल में हुई मौतों के बारे में भी सरकार का यही अनजान रहने वाला चेहरा सामने आया था। चीन ने भारत की सीमा पर कहां तक अतिक्रमण किया इस बारे में भी सरकार ने चुप्पी साध रखी थी। पेगासस जासूसी कांड पर भी सरकार कुछ नहीं कहना चाहती। आखिर देश में घट रही हर वो बात, जिस पर जनता परेशान है, उससे सरकार इतनी अनजान क्यों है। खैर, कृषि मंत्री का जवाब आधिकारिक तौर पर संसद में दर्ज हो गया है, तो मृतक किसानों के परिजनों को मुआवजा भी नहीं मिलेगा, ये अभी तय हो गया है। अब आगे इस मामले को अदालत में ले जाया जाए, तो बात अलग है। जब किसानों की मौत के बारे में सरकार के पास कोई जानकारी ही नहीं है, तो ये बात भी तय है कि कोई स्मारक भी शहीद किसानों की याद में सरकार की ओर से नहीं बनेगा। वैसे भी सरकार यदि स्मारक और मुआवजे की बात मान लेगी तो यह उसकी विफलता को ही साबित करेगी। गलतियां इंसानों से ही होती हैं, इसलिए सरकार का भी कोई गलती करना जुर्म नहीं है। मगर उस गलती को न मानना, अपनी विफलता को जुमलों और वादों के बोझ में दबा देना, ये गलत है। मोदी सरकार ने तो कृषि कानूनों की वापसी करते हुए भी यह नहीं माना कि इन कानूनों को पारित कर उसने कोई गलत काम किया है। सरकार की नजर में कानून सही हैं, उनका विरोध गलत है। लेकिन फिर भी कानून वापसी हुई तो यह उम्मीद बंधने लगी कि अब बाकी मांगें भी सरकार मान लेगी। अभी सरकार ने एमसएपी के लिए भी किसान संगठनों से पांच नेताओं के नाम मांगे हैं। आंदोलनकारी किसानों में से बहुत से लोग इसे भी बड़ी जीत की तरह देख रहे हैं। अब किसान संगठनों के बीच इस बात को लेकर विमर्श चल रहा है कि आंदोलन जारी रखा जाए या खत्म कर घर लौटा जाए। एक साल से अपने घरों और खेतों से दूर रहकर आंदोलन करना और हर रोज सरकार और सरकार समर्थकों की ओर से चली जा रही चालों का जवाब देना आसान नहीं है। ऐसे में आंदोलन खत्म कर किसान घर लौटते हैं, तो आश्चर्य नहीं। मगर इसके साथ ही सरकार की नीयत पर नजर रखना जरूरी है। कृषि मंत्री ने तो मंगलवार को संसद में ये भी बताया था कि 2020 में किसानों की आत्महत्या के मामलों में कमी आई है और पिछले साल के मुकाबले इनकी संख्या 5,579 रही है। जबकि एनसीआरबी के ही आंकड़े बताते हैं कि किसानों और कृषि मजदूरों की आत्महत्या रुकने की बजाय बढ़ रही है। देश में 2020 के दौरान कृषि क्षेत्र में 10,677 लोगों की आत्महत्या की, इसमें 5,579 किसान और 5,098 खेतिहर मजदूरों की आत्महत्याएं शामिल हैं। दस हजार से अधिक लोगों ने जिंदा रहने की जगह मौत को गले लगाया, तो इसके पीछे जरूर बड़ी वजहें ही रही होंगी। मगर इन वजहों को जानने की जगह आंकड़ों के दम पर ये दिखाने की कोशिश की जाए कि सरकार किसानों का भला चाहती है, लेकिन कुछ किसान इस बात को समझ ही नहीं रहे, तो फिर आगे कुछ कहने-समझने की गुंजाइश ही कहां रह जाती है। किसानों ने अपनी इच्छाशक्ति के बूते सरकार को कुछ झुकने पर तो मजबूर कर दिया है, मगर राजनीति के पेंचोखम में किसानों के हित उलझ कर न रह जाएं, यह देश को देखना होगा।

सवाल नजर और नजरिए का है

- सर्वमित्रा सुरजन

जहां तक सवाल महिला अस्मिता और सम्मान का है, तो उस पर निरंतर संवाद और विमर्श की गुंजाइश देश में है, क्योंकि महिलाओं को पूरी तरह बराबरी का दर्जा मिलने के लिए अभी कई बड़े कदम उठाने बाकी हैं। संसद में महिला आरक्षण से ले कर घर-परिवार और समाज में महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर सजगता से फैसले लेने की जरूरत है। राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाओं के सामने इस क्षेत्र में अभी कई चुनौतियां हैं। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत के साथ ही मुद्दों की तपिश बढ़नी शुरु हो गई है, लेकिन इनके साथ ही गैरजरूरी बातों पर भी माहौल को गरमाने की राजनीति दिखने लगी है। मीडिया और सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणियों और अंग्रेजी के भारी-भरकम शब्दों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस बार एक सेल्फी और उसके साथ लिखी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिर गए। इस बार शीतकालीन सत्र के शुरु होने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर बारामती की सांसद सुप्रिया सुले, पटियाला की सांसद परनीत कौर, दक्षिण चेन्नई की सांसद थमिजाची थंगापांडियन, जादवपुर की सांसद मिमी चक्रवर्ती, बशीरहाट की सांसद नुसरत जहां और करूर से सांसद एस जोथिमनी के साथ संसद में ली गई एक सेल्फी पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ शशि थरूर ने कैप्शन दिया है कि- %कौन कहता है कि लोकसभा काम करने के लिए आकर्षक जगह नहीं है? आज सुबह मेरे साथी सांसदों के साथ। शशि थरूर के साथ ली गई इस तस्वीर में उनके समेत छहों महिला सांसद मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। यानी संसद में काम के बीच एक खुशगवार पल को इन साथी सांसदों ने तस्वीर में कैद कर लिया। अलग-अलग दलों के सांसदों का यूं एक साथ हंसते-मुस्कुराते तस्वीर लेना, दरअसल भारतीय लोकतंत्र की विविधता भरी खूबसूरती का द्योतक है। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए, भिन्न विचारधारा और दलों के ये निर्वाचित प्रतिनिधि अलग-अलग होते हुए भी एक साथ मुस्कुरा सकते हैं, साथ काम कर सकते हैं और अपने संसदीय दायित्वों को निभा सकते हैं, इस तस्वीर का यह मतलब भी निकाला जा सकता है। लेकिन यहां सवाल नजर और नजरिए दोनों का है। इसलिए शशि थरूर की इस तस्वीर पर अकारण विवाद पैदा करने की कोशिश की गई। खासकर इस तस्वीर के साथ दिए गए कैप्शन को लेकर कुछ लोगों ने नाराजगी जताई है और इसे महिला विमर्श के साथ जोड़ा गया है।

सोशल मीडिया पर शशि थरूर को ट्रोल किया गया। एक यूजर ने लिखा- %महिलाएं आपके वर्कप्लेस को आकर्षक बनाने के लिए लोकसभा में सजाने की कोई वस्तु नहीं है। वे सांसद हैं और आप उनका अपमान कर रहे हैं।% एक अन्य यूजर ने लिखा कि अगर आप अन्य सेक्टर में होते तो आपको अट्रैक्टिव कहने के लिए निकाल दिया जाता। सुप्रीम कोर्ट की वकील करुणा नंदी ने लिखा, अविश्वसनीय है कि किसी ने इस मुद्दे को उठाया है, क्योंकि शशि थरूर ने निर्वाचित महिला नेताओं के सिर्फ लुक तक सीमित करने की कोशिश की। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा सहित कुछ नामचीन महिलाओं ने उस तस्वीर और टिप्पणी को अभद्र तथा थरूर की संकीर्ण सोच का परिचायक माना। भाजपा विधायक राजेश नागर ने शशि थरूर को नसीहत देते हुए लिखा कि लोकसभा विधायी कार्यों के लिए है, महिलाओं के साथ सेल्फी लेकर उन्हें आकर्षक कहने के लिए नहीं है। आप भावी सांसदों के लिए गलत मिसाल पेश कर रहे हैं। इस पर टीएमसी की सांसद मिमी चक्रवर्ती ने स्पष्ट कर दिया कि यह सेल्फी उन्होंने ली है, शशि थरूर ने नहीं ली है। इस तस्वीर में शशि थरूर के साथ टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा तो नहीं हैं, लेकिन इस विवाद पर शशि थरूर का समर्थन करते हुए उन्होंने लिखा है कि एक अनाकर्षक सरकार के कृषि कानून निरसन विधेयक पर चर्चा न कराने के फैसले से ध्यान हटाने के लिए यह गैर जरूरी मुद्दा खड़ा किया जा रहा है।

आप जानते ही हैं कि कृषि कानून निरसन विधेयक को मोदी सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा दोनों जगह चंद मिनटों में पारित करवा दिया और विपक्ष की मांग के बावजूद इस पर चर्चा नहीं की। सरकार के इस अलोकतांत्रिक रवैये पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा भी राज्यसभा में 12 विपक्षी सांसदों का निलंबन, उनसे माफी की मांग करना, किसान आंदोलन, पेगासस जासूसी कांड में नए खुलासे, अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी, महंगाई ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर सरकार संसद में घिर सकती है। इसलिए सरकार लगातार चर्चा से भाग रही है, ताकि उसे विपक्ष के सवालों का सामना न करना पड़े। ऐसे में महुआ मोइत्रा के इस कथन से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि शशि थरूर के बहाने गैर जरूरी विवाद खड़ा किया जा रहा है। यह सही है कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय व्यक्तियों को हमेशा सतर्क रहकर ही कोई टिप्पणी करना चाहिए। क्योंकि उनके कहे या लिखे का असर व्यापक होता है। लेकिन शशि थरूर प्रकरण में यह साफ नजर आ रहा है कि उन्होंने स्वस्थ भावना से कैप्शन लिखा, उसमें कोई गलत इरादे नहीं हैं। कुछ समय पहले अमिताभ बच्चन ने अपने शो केबीसी में आईएमएफ की अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ के लिए कहा था कि %इतना खूबसूरत चेहरा इनका, इकॉनामी के साथ कोई जोड़ ही नहीं सकता...% इस टिप्पणी को कई लोगों ने महिला विरोधी मानते हुए अमिताभ बच्चन की आलोचना की थी। हालांकि खुद गीता गोपीनाथ ने इस पर खुशी जताई थी कि सदी के महानायक बिग बी की जबरदस्त प्रशंसक होने के नाते ये मेरे लिए ख़ास है। यहां भी सवाल नजरिए का ही है। क्योंकि अमूमन अर्थशास्त्र को नीरस और बोझिल विषय माना जाता है और अर्थशास्त्री धीर-गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। ऐसे में गीता गोपीनाथ के हंसते-मुस्कुराते चेहरे पर कही गई इस बात को गलत तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए।

आत्मनिरीक्षण का अवसर का भी है भारत की आजादी का अमृत महोत्सव

देश एक विलक्षण शब्द है। एक ओर तो वह स्थान को बताता है तो दूसरी ओर दिशा का भी बोध कराता है और गंतव्य लक्ष्य की ओर भी संकेत करता है। देश धरती भी है, जिसे वैदिक काल में मातृभूमि कहा गया। इसी मातृभूमि के लिए बंकिम बाबू ने प्रसिद्ध वंदे मातरम गीत रचा। इस देश-गान में शस्य-श्यामल, सुखद, और वरद भारत माता की वंदना की गई है। गुलामी के दौर में देश में सबके प्राण बसते थे और देश पर विदेशी के आधिपत्य से छुड़ाने के लिए मातृभूमि के वीर सपूत प्राण न्योछावर करने को तत्पर रहते थे। देश के प्रति यह उत्कट लगाव स्वदेश के प्रति निष्कपट प्रेम में व्यक्त होता था। कविवर गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' के शब्दों में कहें तो 'वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।' स्वदेश एक तरह के चैतन्य के भाव से जुड़ा हुआ था, जिसके समक्ष सब कुछ छोटा हो जाता था। एकजुट होकर देशवासियों ने अन्याय के विरुद्ध अनोखी लड़ाई लड़ी और देश राजनीतिक रूप से आजाद हो गया। यह अलग, परंतु जरूरी सवाल है कि अंग्रेज विरासत में कैसा भारत छोड़ कर गए। उन्होंने न केवल भारत भूमि को खंडित किया, बल्कि यहां के समाज, उसके मानस और आचार-व्यवहार को भी तरह-तरह से विभाजित और विषाक्त किया। फलतः स्वतंत्रता मिलने के बाद स्वदेशी, स्वदेशाभिमान और देशप्रेम जैसे विचार दकियानूसी से लगने लगे और चलन से बाहर होते गए। मातृभूमि के साथ देश-सेवा का भाव आता था, पर राष्ट्र राज्य बन जाने पर शासन करने और सत्तानशीं होकर प्रभुता पाने का भाव आने लगा। आज अनेक प्रदेशों में सत्ता समीकरणों का खेल जिस तरह चल रहा है, उससे साफ जाहिर है कि देश जो कभी लक्ष्य था, अब निजी साधन होता जा रहा है और देश-सेवा के नाम पर हर तरह से आत्मगौरव का विस्तार ही एकमात्र उद्देश्य होता जा रहा है। लोक-व्याप्ति की जगह राजनीति का व्यापारीकरण तेजी से हो रहा है और सरकार बनाने के लिए लोकलुभावन नारे और वायदे किए जाने की परंपरा चल पड़ी है। राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं के आगे चारा फेंकने के विविध उपाय चुनावी तैयारी की रणनीति का मुख्य भाग हुआ करता है, जो प्रायः जीतने के साथ ही विस्मृत हो जाते हैं।

गुरू प्रदोष पर करें ये उपाय, भगवान शिव करेंगे सभी मनोकामनाएं पूरी

हिंदी पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष माह का पहला प्रदोष व्रत कल, 02 दिसंबर को रखा जाएगा। प्रदोष व्रत भगवान शिव और पार्वती के पूजन को समर्पित होता है। ये व्रत हिंदी माह के दोनों पक्षों की त्रयोदशी तिथि को रखा जाता है। कल मार्गशीर्ष या अगहन माह की त्रयोदशी तिथि है, इस दिन माह का पहला प्रदोष व्रत रखा जाएगा। गुरूवार का दिन होने के कारण ये गुरू प्रदोष कहलाएगा। इसके साथ ही ज्योतिषाचार्यों के अनुसार कल ही इस माह की शिवरात्रि का भी व्रत और पूजन किया जाएगा। गुरू प्रदोष और शिवरात्रि के संयोग पर भगवान शिव और पार्वती का विधि पूर्वक पूजन करने से सुखी पारिवारिक और दांपत्य जीवन का आशीर्वाद मिलता है।

1-गुरू प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और पार्वती का पूरे शिव परिवार का पूजन प्रदोष काल में करना चाहिए। पूजन में भगवान शिव को सफेद रंग के और माता पार्वती को लाल रंग के वस्त्र अर्पित करने से घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

2- गुरू प्रदोष के दिन पूजन में शिव लिंग पर गुड़ मिश्रित जल से अभिषेक करना चाहिए। ऐसा करने से आपके समस्त दुख दूर होंगे।

3- इस दिन एक कटोरे चावल के दो भाग कर लें। एक भाग चावल भगवान शिव को चढ़ा दें और दूसरा भाग दान कर दें। पूजन के बाद चढ़े हुए चावल के एक सफेद कपड़ें में लपेट कर अपनी तिजोरी में रख दें। आपकी धन-संपदा दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढेगी।

4- संतान के जीवन में कोई संकट या बाधा आ रही हो तो प्रदोष के दिन अपने बच्चों से मिठाई का दान करवायिए और भगवान शिव के पंचाक्षर मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से उनके सभी दुख दूर होगें।

5- शिवरात्रि या प्रदोष के दिन पूजन में शिव लिंग पर काले तिल मिले जल से अभिषेक करने से सभी रोग दूर होते हैं।

महिलाओं को ही नहीं पुरुषों को भी होती है सर्दियों में खास देखभाल की जरूरत

सर्दियों का मौसम ऐसा होता है जब लोगों को लगता है कि गर्म कपड़ों की लेयरिंग ठंडे मौसम से बचाने के लिए काफी होती है। हालांकि, जब तापमान कम होता है तब आपकी त्वचा और शरीर को ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है और ये बात सिर्फ महिलाओं पर लागू नहीं होती। पुरुषों को भी इसका ख्याल रखना चाहिए। ग्रूमिंग की जरूरत पर जोर देते हुए, 'द्यड्डुस्त्रद्ग के सीईओ और को-फाउंडर सूरज चौधरी ने पुरुषों के लिए कुछ टिप्स दिए हैं जिससे तापमान कम होने पर वे अपना ख्याल रख सकें।

ट्रिमिंग

जब आप ट्रिम करने के बारे में सोच रहे हैं तो अपनी त्वचा का अच्छी तरह ख्याल जरूर रखें। नैचुरल शेविंग क्रीम का इस्तेमाल करें। असहजता से बचाव के लिए उसके बाद एल्कोहल-फ्री आफ्टरशेव लगाएं। खासकर जब आप संवेदनशील जगहों पर ट्रिमिंग कर रहे हों।

स्नान

सर्दियों में लंबे समय तक गरम पानी से स्नान करना अच्छा लगता है। लेकिन बहुत तेज गर्म पानी में देर तक नहाना स्किन के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे त्वचा अपना नैचुरल ऑयल खो देती है। तो बेहतर होगा गर्म पानी की जगह गुनगुने पानी से नहाएं मेन्स बॉडी वॉश से इस्तेमाल करें।

दाढ़ी

घनी दाढ़ी वालों को सिर की तरह ही अपनी दाढ़ी को शैम्पू और कंडीशन करना चाहिए। दाढ़ी के कई सारे स्टाइल्स हैं, लेकिन समय-समय पर उन्हें ट्रिम करना और ग्रूम करना आपके चेहरे को सही फ्रेम में रखने के लिए जरूरी है। अपनी दाढ़ी के लिए सही स्टाइलिंग प्रोडक्ट चुनें।

नमी

पुरुषों के लिए नमी का मतलब सिर्फ दिन में दो बार चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाना नहीं हैं, इसे आपको पूरे साल फॉलो करना चाहिए। इससे नमी लॉक हो जाती है और सर्दियों से जुड़ी ड्राई स्किन की समस्या से बचाव होगा। नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सबसे अच्छा तरीका है।

सनस्क्रीन

तेज सर्दियों में भी सूरज की यूवी किरणें आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती है। याद रखें जब भी आपको बाहर 30 मिनट से ज्यादा वक्त बिताना हो, तो सनस्क्रीन जरूर लगाएं। लेकिन और भी बेहतर रिजल्ट के लिए इसे अपनी डेली स्किनकेयर रूटीन का हिस्सा बनाएं।

स्किन में ग्लो लाना चाहती हैं तो अंडे के साथ इन दो चीज़ों को मिलाकर करें चेहरे पर इस्तेमाल

खूबसूरत दिखना लड़कियों का सबसे बड़ा शगल है। खूबसूरती के लिए तरह-तरह के लिबास पहनती है, तरह-तरह के बाल रंगती है और सबसे ज्यादा अपनी स्किन पर खर्च करती हैं। इतना कुछ करने के बाद भी लड़कियों को मनचाही खूबसूरती नहीं मिल पाती। महंगे कॉस्मेटिक प्रोडक्ट कई बार चेहरा निखारने के बजाए दाग दे देते हैं जिनसे महिलाओं की खूबसूरती कम होती है। लगातार कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से स्किन पर कई बार साइड इफेक्ट होने का खतरा भी रहता है। इन प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से स्किन रूखी और बेजान नजर आती है। आप भी स्किन में नेचुरल तरीके से निखार लाना चाहती हैं तो टमाटर, अंडा और बेसन का पैक लगाएं।

अंडा के स्किन के लिए फायदे

अंडों को पोषक तत्वों का पावरहाउस माना जाता है। सर्दियों से इसे ब्यूटी प्रोडक्ट में इस्तेमाल किया जाता है। सिर्फ एक अंडे के सफेद भाग में लगभग 4 ग्राम प्रोटीन, विटामिन और खनिज, जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम और फोलेट पाए जाते हैं जो स्किन पर बढ़ती उम्र के असर को कम करते हैं। उम्र बढ़ने पर चेहरे पर दिखने वाली झुर्रियों से निजात दिलाता है अंडा। यह स्किन पोर्स को टाइट करता है, साथ ही ऑयली स्किन का भी उपचार करता है। यह स्किन को नर्म और मुलायम बनाता है। इसमें मौजूद प्रोटीन स्किन को हेल्दी रखने के साथ-साथ दाग-धब्बों, कील-मुंहासों को दूर करने में मदद करते हैं।

टमाटर का जूसः

टमाटर में मौजूद विटामिन सी, पोटैशियम, लाइकोपेन और एंटी ऑक्सीडेंट गुण चेहरे को खूबसूरत बनाने में मदद करते हैं। टमाटर का स्किन पर इस्तेमाल करने से स्किन जवां दिखती है। टमाटर उम्र के प्रभाव को कम करने में बेहद मददगार होता है।

बेसनः

बेसन स्किन के लिए एक पावर पैक इंग्रेडिएंट है। स्किन पर इसका इस्तेमाल करने से स्किन में चमक आती है। यह चेहरे से अतिरिक्त ऑयल को हटाता है, साथ ही कील-मुहांसों को हटाने में मदद करता है।

आइए जानते हैं कि अंडा, बेसन और टमाटर का पैक कैसे तैयार करें

सामग्री

3 चम्मच टमाटर का जूस
एक चम्मच बेसन
एक अंडे का पीला भाग

पैक बनाने का तरीका

टमाटर, अंडा और बेसन का पैक बनाने के लिए आप एक बाउल में सभी चीजों को डालकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। तैयार पेस्ट को चेहरे पर करीब 15-20 मिनट तक लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरे को साफ पानी से वॉश कर लें। हफ्ते में दो बार इस पैक को लगाने से स्किन ग्लो करेगी।

वज़न घटाने के लिए डायबिटीज़ के मरीज़ों के लिए बेस्ट है ये डाइट!

वज़न बढ़ना टाइप-2 डायबिटीज़ का एक संकेत है। यह इंसुलिन थेरेपी की वजह से होता है, जो डायबिटीज़ का एक आम ट्रीटमेंट है। जब इंसुलिन, जो ऊर्जा पैदा करने के लिए ग्लूकोज़ को अवशोषित करने के लिए ज़िम्मेदार होता है, प्रक्रिया के दौरान भोजन से बहुत अधिक चीनी को अवशोषित करता है, तो शरीर इसे फैट्स में बदल देता है। शरीर में ज़्यादा फैट्स जमा होने से वज़न बढ़ने लगता है। डायबिटीज़ के मरीज़ों के लिए एक समस्या यह है कि उन्हें इस बात ख़ास ख़्याल रखने की ज़रूरत होती है कि वे क्या खा रहे हैं। इसलिए जब बात आती है वज़न घटाने और हेल्दी वज़न बनाए रखने का, तो उन्हें खाने की अपनी आदतों को लेकर सतर्क रहना चाहिए क्योंकि ख़राब डाइट उनके लक्षणों को बिगाड़ सकती है।

वज़न घटाने की बेस्ट डाइट

एक नए अध्ययन के अनुसार, टाइप 2 रोगियों के निदान के लिए कम ऊर्जा वाले आहार को शामिल करना सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है। यूरोपियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज़ डायबेटोलोजिया की एक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि जब मधुमेह के मामले में वज़न घटाने और प्रबंधन की बात आती है, तो बहुत कम ऊर्जा वाला आहार और फॉर्मूला सबसे ज़्यादा असरदार साबित होता है।

क्या है स्टडी?

शोध के अंत में, उन्होंने समझाया कि परिणाम हमेशा सभी के लिए समान नहीं होते हैं, फिर भी कम ऊर्जा वाला आहार मधुमेह रोगी के लिए एक से अधिक फायदे पहुंचा सकता है। इसके अलावा, शोधकर्ताओं की टीम ने यह भी पाया कि वज़न कम करने के लिए टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों के लिए 12 सप्ताह तक कम ऊर्जा वाले आहार का सेवन करना और उसके बाद कम वसा वाले उच्च कार्बोहाइड्रेट आहार लेना सबसे प्रभावी था।

क्या होता है कम ऊर्ज़ा वाला खाना?

बहुत कम ऊर्जा वाली डाइट का मतलब है ऐसा आहार जिसमें एक व्यक्ति को प्रति दिन 3.4 एमजे (800 किलो कैलोरी) से कम खाना पड़ता है। डाइट में सिर्फ रोज़ का आवश्यक पोषण शामिल होता है। इस डाइट प्रोग्राम का आमतौर पर 8-16 सप्ताह तक पालन किया जाता है, जिससे व्यक्ति को प्रति सप्ताह 1.5-2.5 किलो वज़न कम करने में मदद मिलती है। टाइप-2 डायबिटीज़ के मामले में, यह डाइट लंबे समय तक ग्लूकोज़ चयापचय में सुधार कर सकता है और कुछ किलो वज़न कम करने में मदद कर सकता है।

कैसी होती है यह डाइट?

बहुत कम ऊर्जा वाली डाइट बीच में पानी के साथ एक दिन में तीन बार भोजन करने की योजना है। डाइट में आमतौर पर बिना स्टार्च वाली, रंगीन सब्ज़ियां और अच्छी गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है। रोज़ाना कम से कम 2 लीटर पानी पीना भी ज़रूरी है। इस डाइट का पालन करते समय, लोगों को कब्ज़ को रोकने के लिए हल्की एक्सरसाइज़ करने का भी सुझाव दिया जाता है। स्नैक्स और शराब का सेवन रोका जाता है क्योंकि वे दैनिक ऊर्जा की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

इस डाइट की वजह से कुछ लोगों में गंभीर साइड इफेक्ट्स और लक्षण बेहद ख़राब हो सकते हैं। इसलिए इस डाइट को फॉलो करने से पहले अपने डॉक्टर से ज़रूर सलाह करें। मेडिकल चेक-अप के बाद डॉक्टर आपको बता पाएंगे कि आप यह डाइट फॉलो कर सकते हैं या नहीं। इसके अलावा यह डाइट थोड़ा बहुत वज़न घटाने के लिए अच्छी है। लंबे समय तक इस डाइट को फॉलो करने पर कमज़ोरी, कब्ज़ और सांस में बदबू जैसी दिक्कतें आ सकती हैं।

11 हजार पाक स्टूडेंट्स को चीन के कॉलेजों में नहीं लौटने दिया

» इनका भविष्य खतरे में; बाकी देशों के छात्रों को दिक्कत नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग।

चीन की यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में पढ़ रहे पाकिस्तानी छात्रों के साथ चीन ने बहुत बड़ा धोखा किया है। इससे करीब 11 हजार पाकिस्तानी स्टूडेंट्स का कॅरियर तबाह होने की कगार पर पहुंच गया है। चीन में कोरोना महामारी शुरू होने के बाद जनवरी 2020 में ज्यादातर पाकिस्तानी छात्र मुल्क लौट आए थे। इन्हें 7 महीने बाद जुलाई में वापस अपने कॉलेजों में पहुंचना था। अब 2021 भी खत्म होने को है, लेकिन चीन सरकार करीब 11 हजार पाकिस्तानी स्टूडेंट्स को चीन नहीं लौटने दे रही। इन स्टूडेंट्स ने इमरान सरकार और चीन की एम्बेसी से गुहार लगाई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। खास बात यह है कि चीन की एम्बेसी इन छात्रों के ईमेल्स का भी जवाब नहीं देती। वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इन स्टूडेंट्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स ही ब्लॉक कर दिए हैं।

पहले मामले पर एक नजर

कोरोना महामारी चीन से शुरू हुई। विदेशी नागरिकों के साथ चीन में मौजूद ज्यादातर पाकिस्तानी स्टूडेंट्स भी मुल्क लौट आए। चीन के कॉलेजों में करीब 28 हजार पाकिस्तानी छात्र हैं। इन्हें जुलाई में चीन लौटने को कहा गया। करीब 11 हजार छात्रों को चीन अब अपने एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में आने की मंजूरी नहीं दे रहा है। परेशान छात्र इमरान खान सरकार के हर मंत्री, विदेश मंत्रालय और चीनी एम्बेसी के चक्कर लगाकर थक चुके हैं। इन्हें उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आ रही।

अफ्रीका में कोरोना की रफ्तार दोगुनी, डॉक्टर बोले-

ओमिक्रॉन केवल हल्का संक्रमण देगा, यह कहना जल्दबाजी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए मामले एक दिन में दोगुने हो गए हैं। बुधवार शाम यहां के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिसीसेज ने बताया कि पिछले 24 घंटे में वहां 8,561 मामले दर्ज किए गए, जबकि उससे 24 घंटे पहले सिर्फ 4,373 मामले सामने आए थे। इसके बाद सरकार पर दबाव बढ़ गया है कि वह बिना वैक्सीन वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाए, ताकि एक तय संख्या से ज्यादा अनवैक्सीनेटिड लोग एक जगह जमा न हो पाएं। वहीं, दक्षिण अफ्रीकी साइंटिस्ट्स ने चेताया है कि अभी से यह मान लेना जल्दबाजी होगा कि ओमिक्रॉन हल्की बीमारी देगा। साइंटिस्ट्स ने कहा कि फिलहाल ओमिक्रॉन के असली प्रभाव की सही जानकारी देना मुश्किल है। अभी ज्यादातर युवा आबादी इससे संक्रमित हो रही है, जो वायरस से लड़ने में सक्षम हैं। ऐसे में यह बड़े लोगों, बच्चों और बीमार लोगों पर क्या असर डालेगा इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

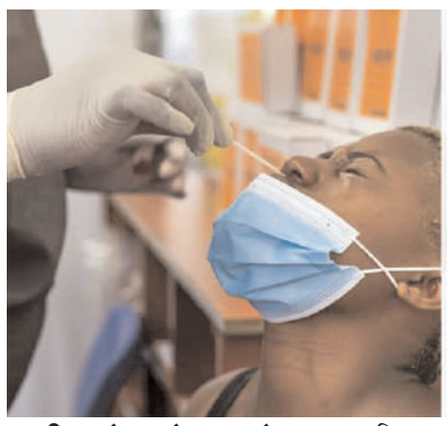

लैंसेट लैब की साइंटिस्ट को टेस्ट सैंपल में गड़बड़ी दिखी

कोरोना वायरस के S-जीन की पहचान नहीं हो पा रही थी

सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग से ओमिक्रॉन का पता चला

अफ्रीका से पहले लंदन में ओमिक्रॉन मिलने का दावा

दुनिया में कोरोना के नए वैरिएंट से हलचल मची हुई है। अफ्रीका में ओमिक्रॉन की पुष्टि के बाद इसे अफ्रीकी वायरस या बोत्सवाना वैरिएंट कहा जाने लगा था। लेकिन अब जानकारी सामने आ रही है कि दक्षिण अफ्रीकी डॉक्टरों की तरफ से इस नए वैरिएंट की पहचान किए जाने से पहले ही लंदन में यह वायरस मौजूद था।

इजरायल के तेल अवीव में शेबा मेडिकल कॉलेज में कार्डियोलॉजिस्ट एलाड माओर का कहना है कि उन्हें लंदन से ओमिक्रॉन का संक्रमण मिला। उन्होंने द गार्डियन को बताया है कि 19 नवंबर को वे एक मेडिकल कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए लंदन गए था, जहां 1200 हेल्थ प्रोफेशल्स जुटे थे। 23 नवंबर को वे इस ईवेंट से लौटे और इसके कुछ दिन बाद उन्हें कोरोना के लक्षण महसूस होने लगे। 27 नवंबर को वे कोरोना पॉजिटिव टेस्ट किए गए। उनका दावा है कि यह संक्रमण उन्हें लंदन में ही मिला है।

UN प्रमुख ने कहा- ट्रैवल बैन से कोरोना नहीं रुकने वाला

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरस ने दुनियाभर में लागू किए जा रहे ट्रैवल बैन को गलत और अप्रभावी बताया है। उन्होंने कहा है कि नया कोरोना वैरिएंट सामने आने पर कुछ देशों और क्षेत्रों को टार्गेट किया जा रहा है। यात्रियों के लिए टेस्टिंग की सुविधा बढ़ाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा वायरस जिसकी कोई सीमा नहीं है, उसे आप यात्रा प्रतिबंधों से नहीं रोक सकते। अफ्रीका में पिछले हफ्ते ओमिक्रॉन का वैरिएंट रिपोर्ट किया गया थाा, जिसके बाद एक दर्जन से ज्यादा देशों ने दक्षिण अफ्रीकी देशों पर ट्रैवल बैन लगा दिया है।

नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्षी नेताओं ने राज्यसभा में विरोध प्रदर्शन किया।

इजराइली डॉक्टर ने कहा- लंदन की कॉन्फ्रेंस में संक्रमण मिला; नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड की रिपोर्ट में भी यही दावा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

इजराइल के डॉक्टर एलाड माओर, ओमिक्रॉन से संक्रमित होने वाले शुरुआती लोगों में से एक थे। डॉक्टर एलाड का दावा है कि उन्हें ओमिक्रॉन का संक्रमण लंदन में मिला था। दावे के मुताबिक, वह दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन का पहला मामले सामने आने से पहले ब्रिटेन में संक्रमित हुए थे। डॉ. एलाड माओर पेशे से कार्डियोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने गार्जियन को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वह नवंबर में एक मेडिकल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने लंदन गए थे। इस कांफ्रेंस में 1,200 से अधिक हेल्थ प्रोफेशनल्स ने हिस्सा लिया था। वह कॉन्फ्रेंस के लिए 19 नवंबर को लंदन पहुंचे और एक होटल में 4 रात रुके थे। 23 नवंबर को इजराइल लौटने के बाद उन्हें कोराना के लक्षण महसूस हुए और 27 नवंबर की रिपोर्ट में वह पॉजिटिव पाए गए।

अफ्रीका में ओमिक्रॉन मिलने से 10 दिन पहले संक्रमित हुए डॉ. एलाड

डॉ. ने कहा– निश्चित तौर पर मुझे लंदन में ही ओमिक्रॉन मिला। यह दिलचस्प है, क्योंकि यह अफ्रीका में ओमिक्रॉन मिलने से 10 दिन पहले की बात है। डॉ. एलाड का मामला दक्षिण अफ्रीका के नए वैरिएंट से बहुत पहले का है। इस लिए इस बात की पूरी आशंका है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट पहले से ही मौजूद था।

कांफ्रेंस में शामिल दूसरे डॉक्टर्स के ओमिक्रॉन से संक्रमित होने की आशंका

डॉ. ने बताया कि ने कहा कि इस मामले पर श्योर नहीं हैं कि उन्हें संक्रमण कब और कैसे हुआ, लेकिन उन्हें आशंका है कि कांफ्रेंस में शामिल होने वाले दूसरे डॉक्टर्स भी ओमिक्रॉन से संक्रमित हुए होंगे क्योंकि उनके एक साथी को भी संक्रमण हुआ था। माना जाता है कि संक्रमित होने के बाद लक्षण दिखाई देने में 14 दिन लग सकते हैं। हालांकि, आमतौर पर एक्सपोजर के 5 दिनों के भीतर ही लक्षण दिखाई देने लगते हैं। डॉ माओर को हल्के लक्षण आए थे। इनमें बुखार, मांसपेशियों में दर्द और गले में खराश शामिल था।

न्यूज ब्रीफ

द.अफ्रीका में भारतीय चुनाव आयोग की वाह-वाही, IEC ने कहा- INDIA से सबक ले दुनिया

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के स्वतंत्र निर्वाचन आयोग ने भारत चुनाव आयोग की वाह-वाहीकरते हुए दुनिया को इससे सबक लेने का आह्वान किया है। दक्षिण अफ्रीका IEC ने के अध्यक्ष ग्लेन मशानिनी ने भारत के निर्वाचन आयोग के काम की तारीफ की और पूरी दुनिया के लिए इसे एक उदाहरण बताया। मशानिनी ने मंगलवार को जोहानिसबर्ग में भारतीय महावाणिज्य दूत अंजू रंजन और प्रेटोरिया में उच्चायुक्त जयदीप सरकार के कार्यालयों में आयोजित सम्मेलन को संबोधित किया। रंजन ने कहा कि 'स्टोरी ऑफ वर्ल्ड्स लार्जेस्ट डेमोक्रेसीज इलेक्शंस% शीर्षक से इस कार्यक्रम का आयोजन 26 नवंबर को भारत के संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित करने की योजना थी, लेकिन पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण मुख्य वक्ता अनुपलब्ध थे, इसी वजह से कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। मशानिनी ने कहा, ''भारत की कहानी न केवल दुनिया के सबसे बड़े चुनावों के बारे में है बल्कि यह एक प्राचीन सभ्यता की कहानी भी है जो साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद से बाधित हो गई थी। उन्होंने कहा, ''ECI चुनावी प्रबंधन निकाय के रूप में दुनिया भर में सेवा कर रही निर्वाचन प्रणालियों के लिए ज्ञान, समझ और अनुभव का स्रोत है।

उपनिवेशवाद, नस्लवाद और रंगभेद से लड़ने के लिए लोगों का नेतृत्व करने में महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला की भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए मशानिनी ने कहा कि दोनों देशों ने आज संवैधानिक लोकतंत्र स्थापित करने के लिए इन कुरीतियों पर विजय प्राप्त की है। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़े, पुराने और मजबूत लोकतंत्रों में से एक, भारत ने रंगभेद को खत्म करने के हमारे संघर्ष और लोकतंत्र को गहरा एवं मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय परियोजना को लेकर जो समर्थन दिया है, उसके लिए दक्षिण अफ्रीका ऋणी है।

अब बच्चे पैदा कर सकेंगे रोबोट

वैज्ञानिकों ने जेनोबोट्स का एडवांस्ड वर्जन बनाया

कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज और प्रकृति की सुरक्षा में मदद करेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अब तक साइंस-फिक्शन फिल्मों में दिखाया जाता रहा है कि रोबोट अपने जैसे रोबोट पैदा कर सकते हैं, पर अमेरिकी वैज्ञानिकों ने इसे हकीकत में बदल दिया है। दुनिया के पहले जीवित रोबोट 'जेनोबोट्स' बनाने वाले वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि ये जेनोबोट अब अपने जैसी संतान भी पैदा कर सकते हैं। एक मिमी से भी कम चौड़े इन रोबोट्स को पहली बार 2020 में दुनिया के सामने पेश किया गया था। ये जीते-जागते रोबोट्स हैं, जिन्हें मेंढक के एम्ब्रियो से बनाया गया है। साथ ही इनके दिल को मोटर की तरह यूज किया जाता है। जेनोबोट्स चल सकते हैं, तैर सकते हैं और बिना खाए हफ्तों तक जिंदा रह सकते हैं। इसके अलावा ये खुद को ठीक भी कर सकते हैं।

जानवरों या पौधों से बिलकुल अलग इसका प्रजनन:- अब हालिया शोध में इस बात की पुष्टि हुई है कि जेनोबोट्स एक से दूसरे में रेप्लिकेट कर सकते हैं।

इन्हें बनाने वाले वर्मोंट, टफ्ट्स और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के वायस इंस्टिट्यूट के वैज्ञानिकों ने स्टडी में बताया है कि उन्होंने इन जेनोबोट्स में जानवर या पौधों से अलग जैविक प्रजनन का बिल्कुल नया रूप खोजा है। ये रूप विज्ञान के लिए ज्ञात किसी भी रूप से पूरी तरह अलग है।

स्टडी के प्रमुख लेखक और वर्मोंट यूनिवर्सिटी में प्रो. जोश बोनागार्ड बताते हैं, लोग अभी तक यही जानते हैं कि रोबोट धातु अथावा चीनी मिट्?टी से बने होते हैं, जबकि जेनोबोट्स बनाने के लिए, मेंढक के भ्रूण से जीवित स्टेम कोशिकाओं को स्क्रैप किया गया और उन्हें इनक्यूबेट करने के लिए छोड़ दिया गया। इसलिए ये रोबोट होने के साथ ही जीव भी हैं। वैज्ञानिकों ने इनके जीन में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया।

पर्यावरण की साफ-सफाई और सुरक्षा में मदद करेंगे

शोधकर्ताओं का मानना है कि ये जेनोबोट्स न सिर्फ बीमारियों में बल्कि प्रकृति को साफ-सुथरा रखने में भी मदद देंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संयोजन से इनकी उपयोगिता बढ़ाई जा सकेगी। स्टडी से जुड़े टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर माइकल लेविन बताते हैं कि जेनोबोट्स की उपयोगिता बढ़ाने पर शोध जारी है। हालांकि ताजा प्रयोगों के दौरान पता चला है कि ये रोबोट्स महासागरों, नदी और तालाब की गहराई से माइक्रोप्लास्टिक कचरा खींच लेने में सक्षम हैं। ऐसे में इनके जरिए साफ-सफाई की जा सकेगी और पर्यावरण की सुरक्षा भी हो सकेगी। ये जेनोबोट्स 'पैक-मैन' जैसे मुंह के अंदर एकल कोशिकाओं को जमा करते हैं और 'बच्चों' को बाहर निकालते हैं, जो बिल्कुल माता-पिता की तरह दिखते व गति करते हैं। शोधकर्ताओं का दावा है कि ये जेनोबोट्स कैंसर के साथ कई गंभीर बीमारियों के इलाज में क्रांति ला सकते हैं।

इनमें गहरे घाव, बर्थ डिफेक्ट्स

गेट नंबर चार पर विपक्षी दलों के सांसदों ने धरना दिया। नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान 12 राज्यसभा सांसदों के निलंबन पर बारिश के बाद संसद भवन का नंबर 1।

सरकारी स्वास्थ्य कार्यकर्ता रांची के हटिया रेलवे स्टेशन पर COVID-19 परीक्षण के लिए मुंबई-वाया-छत्तीसगढ़ से आने वाले यात्रियों के स्वाब के नमूने एकत्र करते हैं।

प्रदूषण नियंत्रण दिवस

पेरिस अपना चुका है वीकेंड पर कार न चलाने का फॉर्मूला, बीजिंग में हवा की क्वालिटी खराब होते ही ब्लू अलर्ट जारी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

प्रदूषण दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। दिल्ली तो दुनिया के सबसे प्रदूषित 10 शहरों में शामिल है। नवंबर में दिल्ली-ह्यूस्टन के लोगों ने सबसे ज्यादा खराब हवा में सांस ली। इस पूरे महीने में 11 दिन हवा दमघोंटू रही। दूषित हवा से जूझ रहे शहरों के लिए चीन, फ्रांस समेत कई देशों के फैसले मॉडल हो सकते हैं। सख्त फैसलों और जनसहयोग से इन देशों ने प्रदूषण को काबू करने में सफलता पाई।

आज विश्व प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर जानते हैं किन उपायों से ऐसा संभव हो सका:- बीजिंग मॉडल- बीती सदी के आखिर में चीन की राजधानी बीजिंग प्रदूषण से बेहाल थी। 2013 में नेशनल एयर क्वालिटी एक्शन प्लान बना। बीजिंग और इसके आसपास स्थापित कारखानों में ताले लगा दिए गए। स्टील तथा एल्यूमिनियम का उत्पादन घटा दिया गया। प्रदूषण फैला रहे लाखों वाहनों को सड़क से हटाया गया। रेड लाइन क्षेत्र घोषित कर वन या हरित क्षेत्रों के पास निर्माण कार्यों पर पाबंदी लगी। नाजिंग में मानव निर्मित जंगल बनाए गए। इससे हर साल 25 लाख टन कार्बन डाई ऑक्साइड को सोखने में मदद मिली। 60 किलो ऑक्सीजन का भी उत्पादन हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि 2017 तक प्रदूषण का स्तर 25 फीसदी घट गया। अब वायु प्रदूषण के स्तर पर नजर रख रही एजेंसी मौसम की तरह पूर्वानुमान जारी करती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से ऊपर जाते ही ब्लू अलर्ट जारी होता है। इसके तहत धूल नियंत्रण संबंधी उपाए किए जाते हैं। सूचकांक लगातार 5 दिन 200 के ऊपर रहता है तो रेड अलर्ट के तहत इमरजेंसी लग जाती है। फ्रांस ने 3 फैसले लिए- 21 लाख आबादी वाली फ्रांस की राजधानी पेरिस में प्रदूषण कम करने के लिए वीकेंड पर कार से ट्रैवल करने पर रोक लगा दी गई। पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ्री कर दिया गया। कार और बाइक शेयरिंग को बढ़ावा दिया गया। नीदरलैंड्स में ज्यादातर लोग कहीं आने-जाने के लिए साइकिल का उपयोग करते हैं। साल 2015 में राजधानी एम्सटर्डम में हवा की क्वालिटी में थोड़ा सा फर्क आया था। 2030 तक पेट्रोल-डीजल वाले वाहनों पर रोक लगेगी।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई टीम स्क्वाशः भारतीय पुरुष टीम ने पाक को हराया

कुआलालंपुर। शीर्ष वरीय भारतीय पुरुष टीम ने बुधवार को यहां पाकिस्तान को 2-1 से हराकर चार मैचों के बाद एशियाई स्क्वाश टीम चैंपियनशिप में अपना अजेय अभियान जारी रखा। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सौरव घोषाल ने अहम जीत दर्ज की जब उन्होंने पहले दो गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए तैयब अस्लम को 56 मिनट में हराया। घोषाल जब अस्लम के खिलाफ उतरे तो पूल 'ए का यह मुकाबला 1-1 से बराबर था। घोषाल ने पहले दो गेम 9-11, 7-11 से गंवाए लेकिन फिर वापसी करते हुए अगले तीन गेम 11-1, 11-7, 11-8 से जीतकर भारत को जीत दिला दी। रमित टंडन ने मुहम्मद आसिम खान को हराकर भारत को बढ़त दिलाई लेकिन नासिर इकबाल ने महेश मनगांवकर को हराकर स्कोर 1-1 कर दिया। इससे पहले भारत ने जापान को 3-0 से हराया। भारत पूल ए में चार जीत के साथ शीर्ष पर चल रहा है और चौथा वरीय पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में तीसरे वरीय भारत को दूसरे वरीय मलेशिया के खिलाफ 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी। जोशना चिनप्पा ने राशेल आर्नोल्ड को हराया लेकिन सुनयना कुरुविला और उर्वशी जोशी को शिकस्त का सामना करना पड़ा। पूल बी में भारतीय महिला टीम ने अब तक एक मैच जीता है और एक गंवाया है। गुरुवार को करो या मरो के मुकाबले में टीम का सामना ईरान से होगा जिससे मलेशिया के बाद ग्रुप से नॉकआउट चरण में क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

ब्रिटिश टेनिस प्लेयर जोहाना कोंटा का 30 साल की उम्र में संन्यास

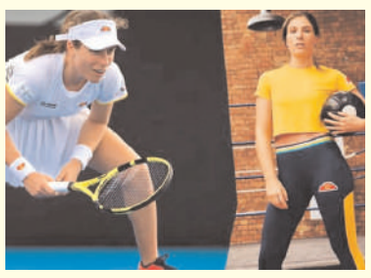

लंदन। पूर्व ब्रिटिश नंबर 1 जोहाना कोंटा ने पेशेवर टेनिस से तत्काल सेवानिवृत्ति की घोषणा कर दी है। 30 वर्षीय कोंटा पिछले 2 दशकों की सबसे सफल ब्रिटिश महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2017 में 3 ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में करियर की उच्च रैंकिंग नंबर 4 पर पहुंच गई थी। उन्होंने 2017 में मियामी ओपन जीता था। इस साल की शुरुआत में उन्होंने नॉटिंघम में अपना डब्ल्यूटीए करियर का चौथा खिताब जीता। कोंटा ने सोशल मीडिया पर लिखा- आभारी, यह वह शब्द है जिसका मैंने शायद अपने करियर के दौरान सबसे अधिक उपयोग किया है और यह वह शब्द है जो मुझे लगता है कि अब अंत में सबसे अच्छे हैं। मेरा खेल करियर समाप्त हो गया है और मैं बहुत आभारी हूं। बता दें कि कोंटा का जन्म सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में हुआ था। उनके हंगेरियन माता-पिता जब कोंटा 14 साल की थी तो ग्रेट ब्रिटेन चले गए। कोंटा ने आईटीएफ सर्किट पर पेशेवर टेनिस के निचले स्तरों को पार करते हुए करियर को शीर्ष 100

क्रिकेट पर ओमिक्रॉन का खतरा : टीम इंडिया का द. अफ्रीका दौरा एक हफ्ते टाला जा सकता है, बीसीसीआई ने टीम सिलेक्शन भी होल्ड किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओमिक्रॉन वैरिएंट के खतरे को देखते हुए टीम इंडिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे में बदलाव हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड इस दौरे को एक हफ्ते के लिए टाल सकता है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। भारत को द. अफ्रीका में 3 टेस्ट, 3 वनडे और 4 टी-20 मुकाबले खेलने हैं। टीम को 9 दिसंबर को द. अफ्रीका के लिए रवाना होना है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमण के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। यहां मिला कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन दुनिया के 24 देशों तक पहुंच चुका है। कई देशों ने अफ्रीकी देशों से आने वाली इंटरनेशनल फ्लाइट्स बैन कर दी हैं।

बीसीसीआई को सरकार की मंजूरी का इंतजार

न्यूज एजेंसी ह्ळ्ढ से बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा कि हम सीरीज को एक हफ्ते आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। इसकी वजह कोरोना के नए वैरिएंट से जुड़े खतरे हैं। खिलाड़ियों की सुरक्षा और सेहत हमारी प्राथमिकता है और अभी हम सरकार की इजाजत का इंतजार कर रहे हैं। हम लगातार साउथ अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड के साथ इस बारे में बातचीत कर रहे हैं। बीसीसीआई ने साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टीम सिलेक्शन को भी होल्ड पर डाल रखा है।

विराट कोहली ने क्या कहा?

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने गुरुवार को कहा कि हर कोई दक्षिण अफ्रीका दौरे पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, लेकिन टीम का ध्यान न्यूजीलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट पर है। उन्होंने आगे कहा, %हम इसको लेकर बीसीसीआई से बातचीत कर रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि एक या दो दिन में या बहुत जल्द सब कुछ साफ हो जाएगा।

खेलमंत्री ने कहा था- सरकार से बात करे बीसीसीआई

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा था कि बीसीसीआई को टीम भेजने से पहले सरकार से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि केवल बीसीसीआई ही नहीं, सभी बोर्डों को ऐसे देश में अपनी टीम भेजने से पहले सरकार से बात करनी चाहिए, जहां खतरा हो। बीसीसीआई को दक्षिण अफ्रीका टीम भेजने से पहले सरकार से जरूर बातचीत करनी चाहिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 3 टेस्ट की जगह 2 टेस्ट कराने पर भी विचार किया जा सकता है, ताकि टीम इंडिया को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जाने से पहले थोड़ा वक्त मिल सके।

ईशांत की जगह सिराज को मौका?, रहाणे-पुजारा का क्या होगा?

विराट कोहली की एंट्री से कितनी बदल सकती है टीम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट मैच 3 दिसंबर से मुंबई में खेला जाना है। इस टेस्ट मैच से भारतीय कप्तान विराट कोहली भी वापसी करने जा रहे हैं। चलिए जानने की कोशिश करते हैं कि मुंबई में भारतीय टीम किन ङ्मङ्ख खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतर सकती है।

ओपनिंग जोड़ी

इस मैच में बतौर सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और केएस भरत नजर आ सकते हैं। केएल राहुल और रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल पहले टेस्ट में टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज थे। मयंक का बल्ला इस टेस्ट में पूरी तरह फ्लॉप रहा। ऐसे में मयंक अग्रवाल मुंबई टेस्ट की प्लेइंग-ङ्मङ्ख से बाहर हो सकते हैं। उनके स्थान पर युवा विकेटकीपर केएस भरत को ओपनिंग में मौका मिल सकता है। दरअसल, घरेलू क्रिकेट में भरत ओपन करते हैं और कानपुर टेस्ट में उन्होंने अपनी कीपिंग से सभी को खासा प्रभावित भी किया था। केएस भरत को दूसरे टेस्ट मैच में मयंक की जगह खिलाया जा सकता है।

कोहली अंदर, साहा बाहर

कोहली टीम में ऋद्धिमान साहा की जगह पर वापसी कर सकते हैं। अगर दूसरे टेस्ट मैच में मयंक की जगह भरत और साहा की जगह विराट प्लेइंग-ङ्मङ्ख में आते हैं तो चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे दोनों अंतिम एकादश में बने रहेंगे। साहा कानपुर टेस्ट मैच में अनफिट नजर आए थे। गर्दन में दर्द के चलते साहा ई की पहली और दूसरी पारी के दौरान कीपिंग के लिए भी नहीं आए थे। उनके बाहर बैठने पर भरत विकेट कीपिंग का जिम्मा संभाल सकते हैं।

पुजारा-रहाणे दोनों को मिल सकता है मौका

चेतेश्वर पुजारा को भले ही आखिरी शतक लगाए 40 पारियां बीत गई हों, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर उन्होंने विकेट पर काफी समय बिताया था।,स दौरे पर उन्होंने 8 पारियों में 33.88 के औसत के साथ 271 रन बनाए थे। वहीं, श्वह्ल दौरे पर भी उनका औसत 32 से ज्यादा रहा था और उन्होंने 2 फिफ्टी के साथ 227 रन बनाए थे।

ऑलराउंडर और स्पिनर्स

मुंबई में कप्तान कोहली तीन स्पिनर्स रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन के साथ मैदान पर उतर सकते हैं। ये तीनों खिलाड़ी न सिर्फ स्पिनर्स, बल्कि टीम में ऑलराउंडर की भूमिका भी निभाते हैं। पिछले कुछ समय में जडेजा टेस्ट में लगातार बेस्ट बनकर सामने आए हैं। गेंद और बल्ले दोनों से वह अहम भूमिका निभा रहे हैं। निचले क्रम पर इस फॉर्मेट में उनकी बैटिंग देखते ही बनती है।

पेस अटैक

मुंबई टेस्ट में इशांत शर्मा को टीम से बाहर किया जा सकता है। उनकी जगह मोहम्मद सिराज टीम में वापसी कर सकते हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की गैरमौजूदगी में पेस अटैक की कमान इशांत शर्मा के कंधों पर थी, लेकिन कानपुर टेस्ट में उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा।

टीम इंडिया की पॉसिबल प्लेइंग-XI: केएस भरत, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव

टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 दिसंबर को होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में वापसी कर रहे हैं। भारत में कोहली ने 30 टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। 23 मैचों में टीम को जीत मिली है। वहीं, 5 मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत में कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया सिर्फ 2 बार हारी है।

8 ओलिंपिक गोल्ड जीतने वाले जमैकन स्प्रिंटर ने कहा-

क्रिकेट कोच ने भेजा था एथलेटिक्स में, फिर जो हुआ इतिहास है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

दुनिया के ऑल टाइम ग्रेटेस्ट स्प्रिंटर कहे जाने वाले उसैन बोल्ट अपनी कामयाबी के पीछे क्रिकेट का बड़ा रोल मानते हैं। जमैका के इस लिविंग लीजेंड ने एक इंटरव्यू में बताया कि वे एथलेटिक्स में इसलिए जा पाए क्योंकि वे क्रिकेट खेलते थे। एक दिन क्रिकेट कोच ने उन्हें रनिंग में करियर बनाने की सलाह दी। बोल्ट ने इस सलाह पर अमल किया और इसका नतीजा क्या रहा इससे पूरी दुनिया वाकिफ है। बोल्ट 8 ओलिंपिक गोल्ड मेडल और 11 वर्ल्ड चैंपियनशिप गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुके हैं। बोल्ट ने अब तक जो कामयाबी पाई है, आगे कोई इस मुकाम तक पहुंचे इसकी संभावना काफी कम है। बोल्ट ने हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में खेल पत्रकार अयाज मेमन से बातचीत में कहा कि उनके देश जमैका में ज्यादातर लोग या तो क्रिकेट या फिर फुटबॉल को पसंद करते थे। बोल्ट के पिता क्रिकेट के दीवाने थे। उनको देखकर बोल्ट भी क्रिकेट से प्यार करने लगे। वे क्रिकेट खेलते भी थे। उनकी तेज रनिंग को देखकर एक दिन उनके क्रिकेट कोच ने उन्हें स्प्रिंटिंग करने की सलाह दी।

अंजू को मिला वुमन ऑफ द ईयर का खिताब

स्पोर्ट्स में जेंडर इक्विलिटी की आवाज उठाने के लिए वर्ल्ड एथलेटिक्स ने दिया अवार्ड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने भारत की अंजू बॉबी जॉर्ज को वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया है। अंजू को यह अवार्ड भारत में स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने और महिलाओं को स्पोर्ट्स में आने के लिए प्रेरित करने के लिए दिया गया है। भारत की पूर्व अंतरराष्ट्रीय लॉन्ग जंप स्टार जॉर्ज अभी भी इस खेल में सक्रिय हैं। इंडियन एथलेटिक्स फेडरेशन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर अंजू ने जेंडर इक्विलिटी के लिए आवाज उठाई। उन्होंने स्कूली लड़कियों को खेल में अच्छा करने के लिए मार्गदर्शन भी दिया। अंजू ने 2016 में युवा लड़कियों के लिए एक ट्रेनिंग एकेडमी भी खोली, जिसने अंडर-20 पदक विजेताओं को तैयार किया।

अंजू ने कहा- अवार्ड मिलना सम्मान की बात

भारत की सबसे शानदार ट्रैक एंड फील्ड एथलीट्स में से एक अंजू ने कहा- वर्ल्ड एथलेटिक्स की तरफ से वुमन ऑफ द ईयर का खिताब मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। 44 साल की अंजू को इस अवार्ड के लिए वर्ल्ड एथलेटिक्स ने बुधवार को नॉमिनेट किया था। केरल की रहने वाली अंजू IAAF वर्ल्ड चैंपियनशिप 2003 में भारत की एकमात्र मेडल (ब्रॉन्ज) विजेता हैं। ढ्ढड्डस्न वर्ल्ड एथलेटिक्स 2005 की गोल्ड मेडल विजेता अंजू, 2004 के ओलिंपिक में 6.83 मीटर जंप के साथ छठें स्थान पर थी। हालांकि, अमेरिका की मरियन जोन्स को डोपिंग के आरोपों की वजह से डिसक्वालिफाई कर दिया गया। इसके बाद अंजू को 5वां स्थान दिया गया।

थॉम्पसन-हेरा फीमेल वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर

एथलेटिक्स अवार्ड्स 2021 में ??जमैका की ओलंपिक चैंपियन एलेन थॉम्पसन-हेरा फीमेल वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया है। वहीं, नॉर्वे के कार्स्टन वारहोम को मेल वर्ल्ड एथलीट ऑफ द ईयर अवार्ड दिया गया। बुधवार को आयोजित किए गए वर्चुअल सामारोह में यह सम्मान दिया गया। थॉम्पसन-हेराह ने इस साल इतिहास में सबसे बेहतरीन स्प्रिंट का प्रदर्शन किया। हेराह ने टोक्यो में अपना ओलिंपिक 100 मीटर और 200 मीटर खिताब बरकरार रखते हुए 4×100 मीटर रिले में तीसरा गोल्ड मेडल अपने नाम किया। थॉम्पसन-हेरा ने कहा कि मैं साल दर साल अपने मेडल्स की संख्या बढ़ा रही हूं। मैं वर्ल्ड रिकॉर्ड के काफी करीब पहुंच गई थी।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक

SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021

खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज़ ब्रीफ

टाटा मोटर्स की नवंबर में कुल बिक्री 25 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की नवंबर में कुल बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 25 प्रतिशत बढ़कर 62 कंपनी ने नवंबर, 2020 में 49,650 वाहन बेचे थे। टाटा मोटर्स ने 21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ घरेलू बाजार में 58,073 वाहन बेचे, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 47,859 इकाई था। कंपनी ने कहा कि घरेलू बाजार में उसकी यात्री वाहनों की बिक्री नवंबर में 29,778 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 21,641 इकाई थी। वहीं घरेलू बाजार में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 32,245 इकाई रही, जो नवंबर, 2020 के 27,982 इकाइयों से 15 प्रतिशत अधिक है।

एनआईएनएल की बिक्री के लिए लॉक इन अवधि में ढील

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) के संभावित खरीदारों के अधिकांश मांगों को मान लिया है। इसमें संपत्ति की बिक्री के लिए लॉक इन अवधि को घटाकर एक साल करना और नए खरीदार को विशेष उद्देश्य की कंपनी (एसपीवी) को एनआईएनल में मिलाने की अनुमति देना शामिल है। इस मामले से अवगत एक अधिकारी ने कहा कि निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडे की अगुआई वाले अंतरमंत्रालयी समूह और कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता वाले विनिवेश पर सचिवों के मुख्य समूह (सीजीडी) ने तय किया है कि निश्चित अवरुद्ध अवधि को घटाकर बिक्री पूरी होने की तारीख से एक वर्ष किया जा सकता है।

जीडीपी में उछाल बड़ी रिकवरी का भ्रम

क्या वाकई तेजी से बढ़ रही इंडियन इकोनॉमी, कोविड से पहले की तुलना में कहां खड़े हैं हम?

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

सरकारी आंकड़े दावा कर रहे हैं कि वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही (जुलाई, अगस्त और सितंबर) में जीडीपी ग्रोथ रेट 8.4 फीसदी पर पहुंच गई है। पिछले साल की इसी अवधि में जीडीपी ग्रोथ रेट -7.3 फीसदी थी। यानी कोरोना की पहली लहर से प्रभावित हुई इकोनॉमी अब रिकवरी मोड में है। वहीं सप्लाई साइड से होने वाली इकोनॉमिक एक्टिविटी को दिखाने वाला ग्रॉस वैल्यू एडेड (त्ड्ढ) पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 8.5 फीसदी बढ़ा है। नवंबर के त्स्र्ञ कलेक्शन में भी सुधार आया है। अक्टूबर के मुकाबले इसमें बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत की अर्थव्यवस्था वाकई तेजी से बढ़ रही है? कहीं ये केवल आंकड़ों की बाजीगरी तो नहीं? कोविड से पहले हम कहां खड़े थे और अब कहां खड़े हैं? आइए इसे समझने की कोशिश करते हैं-

जीडीपी क्या है?

जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रड्यूज सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं उसे भी शामिल किया जाता है। जब इकोनॉमी हेल्दी होती है, तो आमतौर पर बेरोजगारी का लेवल कम होता है।

दो तरह की होती है जीडीपी

जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी । रियल जीडीपी में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैल्कुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैल्कुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। यानी 2011-12 में गुड्स और सर्विस के जो रेट थे उस हिसाब से कैल्कुलेशन। वहीं नॉमिनल जीडीपी का कैल्कुलेशन करेंट प्राइस पर किया जाता है।

क्या भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है?

दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े दिखा रहे हैं कि पिछले साल की इस अवधि की तुलना में ग्रोथ रेट 8.4 फीसदी पर पहुंच गई है। इस आंकड़े को देखकर लगता है कि इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। लेकिन जब हम पिछले साल के इसी अवधि के आंकड़े को देखते है तो तस्वीर कुछ और नजर आती है। दरअसल, पिछले साल मार्च में कोरोना की वजह से लगाए गए लॉकडाउन की वजह से देश में आर्थिक गतिविधियां थम गई थीं।

यह वी शेप रिकवरी नहीं : पी चिदंबरम

पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने भी जीडीपी के आंकड़ों को लेकर एक ट्वीट किया है। चिदंबरम ने कहा, 2021-22 त्त्नक्ष में जीडीपी ग्रोथ पिछले साल के -24.4 फीसदी की तुलना में 20.1 फीसदी थी। त्त्2 में, पिछले साल की -7.4 फीसदी की तुलना में 8.4 फीसदी रही है। यह %वी% शेप रिकवरी नहीं है। अभी भी इकोनॉमी के ऐसे सेक्टर हैं जिन्हें मदद की जरूरत है और रिकवर होने में समय लगेगा।

वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था का आकार 35.71 लाख करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल की इसी अवधि में यह 32.96 लाख करोड़ रुपए था और 2019 में अर्थव्यवस्था का आकार 35.61 लाख करोड़ था।

फिर फटा स्मार्टफोन : राख हो गया पोको M3, बैटरी और सर्किट के उड़े चिथड़े; 4 महीने से ऐसे ब्लास्ट हो रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नईदिल्ली

भारत में स्मार्टफोन में ब्लास्ट होने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इस लिस्ट में वीवो, वनप्लस के बाद अब पोको का नाम भी शामिल हो गया है। सोशल मीडिया पर महेश नाम के यूजर ने पोको स्न्३ स्मार्टफोन के जले हुए बैक पैनल का फोटो पोस्ट किया है। उसने लिखा की मेरे भाई के पोको स्न्३ में आज सुबह ब्लास्ट हो गया। फोन में ब्लास्ट किस वजह से हुआ इस बारे में उन्होंने की जानकारी नहीं दी है। हालांकि, बाद में उन्होंने सोशल मीडिया से अपने ट्वीट को हटा लिया। Mahesh @Mahesh08716488 ने भले ही ये ट्वीट हटा लिया हो, लेकिन उसका स्क्रीनशॉट अब वायरल हो रहा है। महेश ने ये ट्वीट 27 नवंबर को 12:33PM को किया था। उन्होंने ये ट्वीट तेलंगाना के महबूबनगर शहर से किया था। महेश एंड्रॉयड यूजर हैं। इस ट्वीट का स्क्रीनशॉट 91mobiles ने शेयर किया है। फोन की जो फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं उसमें फोन के बैक में सिर्फ कैमरा लेंस और

कंपनी का नाम नजर आ रहा है। बाकी का हिस्सा जलकर राख हो गया है। यानी ना तो फोन में बैटरी दिख रही है, ना ही उसके चिप या सर्किट नजर आ रहे हैं। फोटो से ये बात साफ हो रही है कि अगर इसकी बैटरी फटी है तो धमाका काफी खतरनाक रहा होगा। जला हुआ फोन किसी मैदान में पड़ा है।

कई लेवल पर टेस्ट होते हैं डिवाइस- पोको इस मामले में 91mobiles के मुताबिक, पोको ने कहा, कंपनी के लिए भारत में ग्राहकों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। हम ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हैं। इसे लेकर हमारी टीम जांच कर रही है ताकि कारण का पता लगाया जा सके और जल्द से जल्द समाधान हो। हमारे सभी डिवाइस कड़े क्वालिटी टेस्ट के कई लेवल से चेक किए जाते हैं।

मजबूत हाजिर मांग के कारण निकेल वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की मांग बढ़ने के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को निकेल वायदा भाव 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 1 मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर माह में डिलिवरी वाले निकेल अनुबंध का भाव 10.70 रुपये यानी 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,551.90 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 1,604 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की मांग बढ़ने के कारण मुख्यत- यहां निकेल वायदा कीमतों में तेजी को समर्थन मिला।

36 लाख करोड़ से ज्यादा की इंडस्ट्री : कम कमाई वालों का सहारा बना म्यूचुअल फंड, 70 फीसदी निवेशकों की इनकम सालाना 5 लाख से कम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

कम कमाई करने वालों के लिए म्यूचुअल फंड इस समय देश में सबसे पसंदीदा निवेश का साधन बना है। यह बात खुद वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में कही है। उनके मुताबिक, म्यूचुअल फंड में 70 फीसदी निवेशक वे हैं, जिनकी सालाना कमाई 1 लाख से 5 लाख रुपए के बीच है।

रूमें ज्यादा हिस्सेदारी 1 से 5 करोड़ वालों की

हालांकि असेट अंडर मैनेजमेंट के लिहाज से सबसे ज्यादा हिस्सेदारी सालाना 1 करोड़ से 5 करोड़ रुपए कमाने वालों की है। पर इंडिविजुअल निवेशकों की संख्या के लिहाज से 1 से 5 लाख रुपए वालों की हिस्सेदारी ज्यादा है। रूका मतलब निवेशकों का जितना पैसा म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री या कंपनियों के पास होता है। देश में कुल 1.82 करोड़ म्यूचुअल फंड निवेशक हैं।

5 लाख से कम कमाई वालों की हिस्सेदारी AUM में 29 फीसदी

उन्होंने बताया कि फंड इंडस्ट्री के AUM में 5 लाख रुपए से कम कमाई करने वाले निवेशक AUM में 29 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। सेबी के आंकड़ों के हवाले से वित्त राज्यमंत्री ने बताया कि एक लाख रुपए से कम कमाई करने वाले यूनीक इन्वेस्टर्स की संख्या 16 लाख 33 हजार 909 है। इनकी हिस्सेदारी इंडिविजुअल निवेशकों में 8.80 फीसदी है। जबकि फंड हाउसों के पास इनका कुल निवेश 1.44 लाख करोड़ रुपए है। यानी फंड इंडस्ट्री के पास जितना निवेश है, उसका 4.50 फीसदी हिस्सा इन निवेशकों का है।

निवेशकों की संख्या 1.13 करोड़

एक से पांच लाख रुपए सालाना कमाने वाले निवेशकों की संख्या 1 करोड़ 13 लाख 66 हजार 741 है। कुल इंडिविजुअल निवेशकों की संख्या की तुलना में इनकी हिस्सेदारी 61.21 फीसदी है। जबकि इनका AUM 7 लाख 71 हजार 650 करोड़ रुपए है। फंड इंडस्ट्री के कुल रूमें इनकी हिस्सेदारी 24.04 फीसदी है। चौंकाने वाली बात है कि जो लोग ज्यादा कमाते हैं वे फंड में निवेश नहीं करते हैं।

5 करोड कमाने वाले केवल 245 निवेशक

उदाहरण के तौर पर 5 करोड़ रुपए सालाना कमाने वाले केवल 245 लोग ऐसे हैं जो म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। इन्होंने कुल 408 करोड़ रुपए का निवेश किया है। 5 से 10 लाख रुपए जो लोग सालाना कमाते हैं, ऐसे निवेशकों की संख्या 35.81 लाख है। इंडिविजुअल निवेशकों में इनकी हिस्सेदारी 19.28 फीसदी है। इनका निवेश 5.98 लाख करोड़ रुपए है और इनकी हिस्सेदारी AUM में 18.64 फीसदी है। 10 से 25 लाख रुपए जो लोग साल में कमाते हैं, ऐसे निवेशकों की संख्या 14.31 लाख है। इनका कुल निवेश 3.61 लाख करोड़ रुपए है।

एलआईसी ने प्रावधान बढ़ाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिग्गज सरकारी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने डेट पोर्टफोलियो के लिए भारी प्रावधान किया है, जिससे यह वित्त वर्ष 2021 में अपने शुद्ध फंसे कर्ज (एनपीए) और सकल एनपीए को कम करने में कामयाब रही है। एलआईसी की 2020-21 की सालाना रिपोर्ट से पता चलता है कि एलआईसी ने 37,341.6 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, जिसमें से 34,934.97 करोड़ रुपये का प्रावधान संदिग्ध, स्तरहीन या घाटे वाली परिसंपत्तियों के लिए है। इसने मानक स्तर वाली परिसंपत्तियों क लिए भी 2,406.63 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। एलआईसी ने वित्त वर्ष 2020 में 4.49 लाख करोड़ रुपये के डेट पोर्टफोलियो के लिए 35,063.04 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। यह बीमा कंपनी वित्त वर्ष 2021 में अपने शुद्ध एनपीए को घटाकर 0.5 फीसदी पर लाने में सफल रही है, जो वित्त वर्ष 2020 में 0.79 फीसदी था। वहीं सकल एनपीए वित्त वर्ष 2021 में घटकर 7.78 फीसदी पर आ गया, जो वित्त वर्ष 2020 में 8.17 फीसदी पर था। 31 मार्च 2021 को एलआईसी के कुल पोर्टफोलियो 4.51 लाख करोड़ रुपये में एनपीए 35,129.89 करोड़ रुपये था। इसकी कुल स्तरहीन परिसंपत्तियां 254.37 करोड़ रुपये हैं जबकि संदिग्ध परिसंपत्तियां 20,369.17 करोड़ रुपये और नुकसान वाली परिसंपत्तियां 14,506.35 करोड़ रुपये हैं। वित्त वर्ष 2020 में एलआईसी का एनपीए 36,694.20 करोड़ रुपये था। केंद्र सरकार कई बार दोहरा चुकी है कि वह चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2022) की अंतिम तिमाही तक इस दिग्गज बीमा कंपनी को एक्सचेंजों में सूचीबद्ध कराना चाहती है। सरकार ने इस बीमा कंपनी के मूल्य के मूल्यांकन के लिए एक्चुरियल फर्म और देश के सबसे बड़े आईपीओ के प्रबंधन के लिए बुक मैनेजर नियुक्त कर दिए हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021 में अपने संबद्ध और गैर-संबद्ध कारोबार के निवेश से ब्याज एवं लाभांश के रूप में करीब 2.2 लाख करोड़ रुपये की कमाई की है, जो वित्त वर्ष 2020 के मुकाबले करीब 10 फीसदी अधिक है। जहां तक गैर-संबद्ध कारोबार का सवाल है, एलआईसी ने निवेश पर ब्याज एवं लाभांश के अलावा निवेश प्रॉपर्टी से 439.71 करोड़ रुपये का किराया, पॉलिसी लोन पर 11,467 करोड़ रुपये का ब्याज और मॉर्गेज ऋणों पर ब्याज के रूप में 18.74 करोड़ रुपये की कमाई की है।

अब जियो मार्ट से वॉट्सऐप के जरिए मंगा सकते हैं किराना का सामान

नई दिल्ली। अब एक टैप और चैट के जरिए मुकेश अंबानी के जियोमार्ट से किराने का सामान ऑर्डर किया जा सकता है। इसे वॉट्सऐप के जरिए आप कर सकते हैं। इसकी डिलीवरी पूरी तरह से मुफ्त होगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने अमेजन और फ्लिपकार्ट को चुनौती देने के लिए कमर कस ली है। जियोमार्ट ने 90 सेकंड का ट्यूटोरियल और कैटलॉग वॉट्सऐप पर भेजकर लोगों को बताना शुरू किया है। इसने इसमें कहा है कि उसके प्लेटफॉर्म से डिलीवरी मुफ्त है। इसके लिए कम से कम ऑर्डर की कोई शर्त भी नहीं है। इसमें यह भी बताया जा रहा ही कि यहाँ फल, सब्जियां, अनाज, टूथपेस्ट, पनीर, चीज और चने का आटा जैसे खाना पकाने के सभी सामान उपलब्ध हैं।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।